आज का सुविचार

इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है, सफलता का आनन्द उठाने के लिए ये जरूरी है।
- अब्दुल कलाम

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

वर्ष-4 अंक-358 भोपाल, मंगलवार 09 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

ITDC पंचांग

कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी, मंगलवार, 22 विक्रम, संवत 2078

ITDC मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:29/5:39
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	32 %
वायु (किमी/घं.)	08
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

ITDC स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला ₹ 49,530

ITDC शेयर सूचकांक

बीएसई	60545.61	+477.99
निफ्टी	18068.55	+151.75

मणिपुर के 2 विधायक भाजपा में हुए शामिल

मणिपुर। मणिपुर के 2 विधायक सोमवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। राजकुमार इमो सिंह और यमथोंग हाओकिप को केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और मणिपुर के पार्टी प्रभारी संबित पात्रा की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर भाजपा ने कहा कि वह राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों में दो-तिहाई सीटों पर जीत हासिल करेगी। इस मौके पर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की समृद्धि, शांति और स्थिरता के लिए ढेर सारे काम किए हैं।

अरुण जेटली और सुषमा स्वराज को मरणोपरांत पद्म विभूषण

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली और सुषमा स्वराज को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उनके परिवारजनों को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अवार्ड सौंपा। अरुण जेटली का अवॉर्ड उनकी पत्नी संगीता जेटली और सुषमा स्वराज का अवॉर्ड उनकी बेटी बांसुरी स्वराज ने प्राप्त किया। ओलिंपिक विजेता पीवी सिंधु को पद्म भूषण, शास्त्रीय गायक पंडित चन्नूलाल मिश्र को पद्म विभूषण, गायक अदनान सामी को पद्म श्री, ङ्गष्टस्र्क्र के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. रमन गंगाखेड़कर को पद्म श्री, अभिनेत्री कंगना रनोट को पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मणिपुर में 4.4 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस हुए

मणिपुर। मणिपुर में सोमवार सुबह भूकंप के झटके महसूस हुए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, आज सुबह 7-48 बजे भूकंप के झटके से धरती कांपी। अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

लखीमपुर हिंसा की जांच से असंतुष्ट सुप्रीम कोर्ट : कहा-

2 एफआईआर को ओवरलैप कर एक विशेष आरोपी को लाभ दिया जा रहा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

लखीमपुर हिंसा मामले में आज तीसरी बार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की। CJI एनवी रमना, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ क्क सरकार की अब तक की जांच से संतुष्ट नहीं है। इस दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने एक अहम टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि हमें यह कहते हुए दुख है कि दो एफआईआर 219 और 220 को ओवरलैप कर एक विशेष आरोपी को लाभ दिया जा रहा है। सीजेआई एनवी रमना ने कहा कि हमने स्टेटस रिपोर्ट देखी है। स्टेटस रिपोर्ट में कुछ भी नया नहीं है, हम जो उम्मीद कर रहे थे वैसे कुछ नहीं है। 10 दिन का समय दिया गया था। कोई प्रगति नहीं हुई। बस कुछ गवाहों के बयान हुए। लैब

रिपोर्ट भी नहीं आई। फोन रिकॉर्ड का परीक्षण भी नहीं हुआ। इस पर यूपी सरकार के वकील हरीश साल्वे ने कहा कि लैब ने 15 नवंबर तक रिपोर्ट देने को कहा है। कोर्ट ने जांच पर नजर रखने के लिए हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज को मॉनिटर नियुक्त किया है। हालांकि किस जज को यह जिम्मेदारी दी गई है, इसकी अभी जानकारी नहीं मिल सकी है।

सुनवाई के अहम बिंदु

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कहा जा रहा है कि एक एफआईआर में जुटाए गए सबूत दूसरे में इस्तेमाल किए जाएंगे। ऐसा एक आरोपी को बचाने के लिए हो रहा है। दूसरी एफआईआर में एक तरह से सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं। हरीश साल्वे ने कहा कि अलग-अलग जांच हो रही है। इस पर सीजेआई ने दोनों एफआईआर की अलग-अलग जांच करने के निर्देश दिए। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एक किसानों की हत्या का मामला है तो दूसरा पत्रकार और राजनीतिक कार्यकर्ता का। गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं जो मुख्य आरोपी के पक्ष में लगते हैं। हरीश साल्वे ने कहा कि अगर कोई आगे आता है और कहता है कि उसका बयान दर्ज किया जाए तो हमें वह करना होगा।

कोर्ट ने गवाहों को सुरक्षा देने का दिया था निर्देश

कोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान योगी सरकार को हिंसा के गवाहों को सुरक्षा देने का निर्देश दिया था और स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। इसके अलावा कोर्ट ने हिंसा में पत्रकार रमन कश्यप और ब्द्धक्क नेता श्याम सुंदर की हत्या की जांच पर भी अलग से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। उप्र सरकार के वकील हरीश साल्वे ने कहा कि 30 गवाहों के बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराए गए हैं। इनमें से 23 चश्मदीद गवाह हैं। इसके बाद बेंच ने पूछा कि लखीमपुर में रैली के दौरान हजारों किसान मौजूद थे और आपको सिर्फ 23 चश्मदीद गवाह मिले? हरीश साल्वे ने कहा कि हमने सार्वजनिक विज्ञापन देकर यह मांगा है कि जो भी चश्मदीद हैं, वे सामने आएं।

नरोत्तम मिश्रा का प्रियंका पर तंज-

गुरूर को छोड़िए और थरूर पर आइए...

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सोमवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा हैं। नोटबंदी को लेकर प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। इसके जवाब में मिश्रा बोले- राहुल जी और प्रियंका जी से मैं कहता हूं, गुरूर को छोड़िए, शशि थरूर पर आइए। प्रियंका को नोटबंदी पर ट्वीट करने से पहले एक बार भ्रष्टाचार, कालेधन और आतंकी घटनाओं की संख्या का अध्ययन कर लेना चाहिए। प्रियंका और राहुल गांधी दोनों सिर्फ अपने ट्वीट से देश को गुमराह करने का काम करते हैं। मिश्रा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी कभी कश्मीर को लेकर कभी ट्वीट नहीं करते। सिर्फ घटना होने का इंतजार करते हैं। घटना होते ही ट्वीट कर देते हैं।

कांग्रेस के रिव्यू में जय कमलनाथ ही निकलेगा

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने उपचुनावों में मिली हार पर 9 नवंबर को बैठक बुलाई है। इसमें उम्मीदवारों और चुनाव प्रभारियों से फीडबैक लिया जाएगा। इस पर मिश्रा ने कहा कि परिस्थितियों का मंथन करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री, तथाकथित भावी मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सब कुछ कमलनाथ ही तो हैं। वे पूर्व सांसद हैं, पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। उन्होंने ही टिकट दिया, उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया। अंतर्मुखी होकर आत्ममंथन करेंगे तो हर जगह पर खुद को ही पाएंगे। कमलनाथ जो मंथन कर रहे हैं, उससे एक ही शब्द निकलेगा - जय जय कमलनाथ।

मुख्यमंत्री केजरीवाल का ऐलान

गोवा में सरकार बनी तो हर महीने 3,000 रुपए बेरोजगारी भत्ता देंगे, फ्री बिजली भी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी गोवा में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में करके दिखाया है, अब गोवा के अंदर भी हर गांव के अंदर एक-एक स्कूल खुलवाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हमने मोहल्ला क्लीनिक खोला है, गोवा के अंदर भी हर गांव के अंदर एक क्लीनिक खोलेंगे। गोवा के अंदर हमारी सरकार बनेगी तो हम बिजली फ्री देंगे। उन्होंने कहा कि हम रोजगार देंगे, रोजगार देने में समय लगेगा लेकिन जब तक रोजगार नहीं देते तब तक बेरोजगारी भत्ता देंगे, हर महीने 3000 रुपए देंगे।

सीआरपीएफ जवान ने साथियों पर एके-47 से की फायरिंग...

4 जवानों की मौत और 3 घायल, छत्तीसगढ़ के सुकमा कैंप की घटना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज रायपुर

छत्तीसगढ़ के सुकमा में रविवार देर रात सीआरपीएफ जवान ने अपने साथियों पर एके-47 से फायरिंग कर दी। घटना में 4 जवानों की मौत हो गई, जबकि 3 घायल हैं। इनमें 2 जवानों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें चॉपर से रायपुर रेफर किया जा रहा है। घटना के बाद आरोपी जवान को हिरासत में ले लिया गया है। अभी तक फायरिंग का सही कारण सामने नहीं आ सका है। IG, सीआरपीएफ , एडिशनल स्क्कोंटा लिंगनपल्ली कैंप पहुंच चुके हैं। आईजी बस्तर, कलेक्टर सुकमा और स्क्कसुकमा भी मौके पर जाएंगे। जानकारी के मुताबिक, घटना कोंटा विकासखंड के ग्राम लिंगनपल्ली स्थित 217 बटालियन कैंप की है।

देर रात करीब 3.15 बजे सीआरपीएफ जवान रितेश रंजन ने अपने साथियों पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से 2 जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। इसी कैंप में 85वीं बटालियन के जवानों का भी कैंप है। देर रात गोली चलने से हड़कंप मच गया। अन्य जवान दौड़ कर मौके पर पहुंचे। इसके बाद अफसरों को जानकारी दी गई।

कई दिन से मानसिक रूप से परेशान था आरोपी जवान

घायल 5 जवानों को कैंप से करीब 11 किमी दूर तेलंगाना स्थित भद्राचलम के अस्पताल ले जाया गया। वहां पर इलाज के दौरान 2 जवानों ने दम तोड़ दिया, जबकि 2 अन्य की हालत गंभीर देख उन्हें चॉपर से रायपुर रेफर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आपसी रंजिश या मानसिक संतुलन बिगड़ने के कारण आरोपी जवान ने फायरिंग की। एक दिन पहले भी उसका साथी जवानों से विवाद हुआ था। आरोपी जवान कई दिनों से परेशान था। फायरिंग की घटना में मारे गए 3 जवान बिहार के रहने वाले थे, जबकि 1 पश्चिम बंगाल का निवासी था।

उपचुनाव में हार के बाद मंथन, कमलनाथ लेंगे फीडबैक

भोपाल। मध्यप्रदेश में हाल ही में हुए उपचुनाव में हार के बाद अब कांग्रेस में मंथन का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मंगलवार को बैठक बुलाई है। इसमें उम्मीदवारों के साथ चुनाव प्रभारियों, सह प्रभारियों और समन्वयकों को भी बुलाया गया है।

बैठक में हार के कारणों को तलाशा जाएगा। माना जा रहा है कि बैठक में चुनाव प्रभारियों पर गाज गिर सकती है। बता दें कि कांग्रेस को खंडवा लोकसभा के अलावा पृथ्वीपुर और जोबट सीट पर हार मिली है। हालांकि, कांग्रेस ने 31 साल से भाजपा के कब्जे में रही रैगांव विधानसभा सीट जीत ली है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पंढरपुर में 2 हाईवे के विस्तार की नींव रखी, बोले-

सबके लिए खुले भगवान विट्ठल के द्वार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पंढरपुर में दो 4 लेन नेशनल हाईवे के डेवलपमेंट की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि भगवान विट् ?ठल के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। मोदी ने आगे कहा कि महाराष्ट्र में श्री संत ज्ञानेश्वर महाराज पालखी मार्ग का निर्माण 5 चरणों में होगा और संत तुकाराम महाराज पालखी मार्ग का निर्माण तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। इन सभी चरणों में 350 किमी.

से ज़्यादा लंबाई के हाईवे बनेंगे और इस पर 11000 करोड़ रु. से ज्यादा खर्च आएगा। इन राष्ट्रीय राजमार्गों के दोनों तरफ 'पालखी' के लिए पैदल मार्ग भी बनाया जाएगा। ताकि पैदल जाने वाले भक्तों को परेशानी न हो।

पंढरपुर की, लोगों के दिल और दिमाग में खास जगह : मोदी

पीएम ने रविवार को एक ट्वीट में इस कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा था, 'कई लोगों के दिल और दिमाग में पंढरपुर के लिए खास जगह है। यहां का मंदिर पूरे भारत से समाज के सभी वर्गों के लोगों को आकर्षित करता है। 8 नवंबर को दोपहर 3-30 बजे, मैं पंढरपुर की बुनियादी सुविधाओं के अपग्रेडेशन से संबंधित एक कार्यक्रम में शामिल होऊंगा।'

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

94 साल के हुए आडवाणी

राममंदिर शिलान्यास को छोड़कर 7 साल से अमूमन चुप रहे आडवाणी जन्मदिन पर सिर्फ धन्यवाद बोले

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी 94 साल के हो गए। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह सोमवार सुबह आडवाणी के घर पहुंचे और उनकी पसंद का चॉकलेट केक कटवाकर जन्मदिन की बधाई दी। पीएम मोदी उनके साथ करीब आधे घंटे तक रहे। इस दौरान उन्होंने पुराने दिनों के दो-तीन किस्से सुनाए। पीएम की किस्सागोई के दौरान आडवाणी चुप रहे। अंत में उन्होंने सिर्फ एक शब्द बोला- धन्यवाद। हालांकि यह कोई नई बात नहीं है। पिछले कुछ सालों से आडवाणी बेहद कम बोल रहे हैं। ज्यादातर मौकों पर वे चुप ही रहते हैं। इससे पहले रविवार को भाजपा की नेशनल

प्रधानमंत्री ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के घर पहुंचकर जन्मदिन की बधाई दी।

एग्जीक्यूटिव मीटिंग में वे वर्चुअली शामिल हुए। उनके एक करीबी स्टाफ के मुताबिक दोपहर 2.00 से 3.00 तक वे मीटिंग में रहे, लेकिन आन द रिकॉर्ड या ऑफ द रिकॉर्ड उन्होंने एक शब्द भी नहीं बोला। इसी साल अक्टूबर में भाजपा के एक नेता ने फैब इंडिया द्वारा एक उर्दू टैगलाइन इस्तेमाल करने के खिलाफ बयान दिया था।

2014-2019 के बीच लोकसभा में अटेंडेंस 92 फीसदी, बोले महज 5 बार

16वीं लोकसभा, यानी 2014-2019 के कामकाजी 321 दिनों में 296 दिन संसद में मौजूद रहे। इस दौरान वे ज्यादातर चुप ही रहे। महज 5 बार बोले। वह भी न के बराबर। इनमें से 2 मौके थे- स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के चुनाव के। इस दौरान आडवाणी ने भाषण तो दिए, लेकिन मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं कहकर चुप हो गए। हालांकि, 6 जून 2009 को जब लोकसभा में मीरा कुमार स्पीकर बनीं तब आडवाणी जी ने अपने भाषण में करीब 450 शब्द कहे थे। साल 2009 से 2014 के बीच आडवाणी ने 42 बहसों में हिस्सा लिया।

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्व्यर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680,7611127324 ,7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)- (Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुविधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345,9425008604

ITDC आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile:9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोर्सेज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK 3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile-9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC

VACANCIES

खबर की खबर

जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों में जुटी भाजपा

भारतीय जनता पार्टी के हजारों कार्यकर्ता आगामी 15 नवम्बर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर राजधानी भोपाल के जम्बूरी मैदान में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे हैं। रविवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और सह संगठन महामंत्री हितानंद जी ने आयोजन की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की।

तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए विष्णुदत्त शर्मा और हितानंद जी ने कहा

कि भाजपा और हमारी सरकारों ने जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जनजातीय समाज में ऐसे अनेक देशभक्त योद्धा हुए हैं, जिन्होंने देश की खातिर विदेशी ताकतों से लोहा लेते हुए अपने प्राणों को न्योछावर किया है। हमने जनजातीय समाज के सभी राष्ट्रीय प्रतिमानों को स्थापित करने का व्रत लिया है और उसे हम पूरा करके रहेंगे। जनजातीय समाज के कल्याण की जितनी भी योजनाएं थीं, उन्हें पूरे करने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है।

उन्होंने कहा कि बीते 18 सितंबर को जबलपुर में देश के गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अमर बलिदानी राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर जनजातीय समाज की उत्थान की जिन योजनाओं की घोषणाएं की हैं, वह समाज की प्रगति की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी।

उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज को सुविधाओं के साथ सम्मान भी प्राप्त हो, इसके लिए भाजपा की सरकार और संगठन निरंतर प्रयासरत हैं। इसी निमित्त आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया है। बड़े गौरव की बात है कि इस महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं पधार रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर होने वाले कार्यक्रम में पधारने वाले जनजातीय समाज के स्वागत की जोरदार तैयारियां करेंगे।

इस बैठक में प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन, प्रदेश महामंत्री भगवान दास सबनानी, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक कृष्णा गौर, विधायक विष्णु खत्री, भोपाल जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, ग्रामीण जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह सिसोदिया, अभिजीत देशमुख, आलोक संजर, शैलेन्द्र शर्मा, प्रदीप त्रिपाठी, मनोरंजन मिश्रा, ध्रुवनारायण सिंह, विकास विरानी, सत्यार्थ अग्रवाल और रविन्द्र यति सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

मिड और स्मॉल कैप के प्रतिफल से बहक न जाएं

नई दिल्ली। शेयर बाजार ने हाल में जो दौड़ लगाई है, उसमें मिड और स्मॉल कैप फंडों ने लार्ज-कैप फंडों से बेहतर प्रदर्शन किया है। मिड कैप फंड श्रेणी में औसत प्रतिफल 69.7 फीसदी और स्मॉल कैप में औसत प्रतिफल 85.3 फीसदी रहा है। इनके मुताबिक लार्ज कैप फंड का प्रतिफल 53.2 फीसदी ही रहा। मगर विशेषज्ञों की सलाह है कि निवेशकों को केवल अतीत में मिले प्रतिफल को देखकर ही नहीं बहक जाना चाहिए। उसके बजाय जब भी उन्हें लार्ज कैप या मिड और स्मॉल कैप फंडों में से किसी एक को चुनना हो तब उन्हें संपत्ति आवंटन पर ध्यान देना चाहिए।

उठापटक के लिए रहें तैयार:- वृहद आर्थिक माहौल में बड़ा बदलाव आने वाला है। पिछले साल बाजार और तमाम दूसरे आंकड़े लॉकडाउन के कारण बहुत नीचे चले गए थे, जिनके कारण इस बार वृद्धि बहुत अधिक दिख रही है मगर अगले साल ऐसा नहीं होगा। महंगाई की चाल दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों को तरलता घटाने और ब्याज दरें बढ़ाने पर मजबूर कर सकती है। शेयरों का मूल्यांकन अधिक होने से आगे उनका प्रदर्शन कमजोर रहने की भी आशंका है। निप्पॉन इंडिया म्युचुअल फंड में शेयर निवेश के उप मुख्य निवेश अधिकारी शैलेश राज भान कहते हैं, दुनिया भर में शेयर बाजारों ने तेज आर्थिक सुधार की उम्मीद में पिछले डेढ़ साल के भीतर तेज दौड़ लगाई है। उन्हें नीतिगत उपायों, कम ब्याज दरों तथा तरलता का सहारा भी मिा है।

इन्फा, स्मॉलकैप व पीएसयू फंड अव्वल

मुंबई। म्युचुअल फंडों की इक्विटी योजनाओं का एक साल का रिटर्न मोटे तौर पर द्वितीयक बाजार में हुए फायदे का आईना होता है। हालांकि जिन योजनाओं के जरिये इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्मॉलकैप और पीएसयू बैंकों में निवेश किया जाता है, वे उम्दा प्रदर्शन करने वाले के तौर पर उभरी हैं और कुछ मामलों में इनका रिटर्न 100 फीसदी से भी ज्यादा रहा है। कुल 484 इक्विटी योजनाओं में से 353 योजनाओं ने सेंसेक्स को मात देने में कामयाबी हासिल की है, यह जानकारी वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों से मिली। करीब 20 योजनाओं ने पिछले एक साल में 90 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया जबकि छह योजनाओं ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया। एसऐंडपी बीएसई सेंसेक्स टोटल रिटर्न इंडेक्स (टीआरआई) ने 29 अक्टूबर को समाप्त पिछले एक साल में 51 फीसदी रिटर्न दिया है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के निदेशक कौस्तुभ बेलापुरकर ने कहा, भारतीय बाजारों में तेजी व्यापक रही है।

आपके घर के साथ सामान भी कवर करती है भारत गृह रक्षा पॉलिसी, भूकंप और बाढ़ से हुए नुकसान का भी मिलेगा पैसा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बीमा नियामक इरडा ने भारत गृह रक्षा की शुरुआत की है। यह एक स्टैंडर्ड होम इंश्योरेंस पॉलिसी है, जो व्यापक कवरेज प्रदान करती है। भारत गृह रक्षा पॉलिसी घर के ढांचे के साथ-साथ घर के अंदर के सामानों को भी कवर करती है। घर के ढांचे में भवन के अलावा बरामदा, पार्किंग की जगह, पानी की टंकी, गैरेज, आउटहाउस, पर्मानेंट फिटिंग भी शामिल है। घर के अंदर की सामान्य वस्तुएं अपने-आप घर के भवन की बीमा राशि के 20त्न तक कवर हो जाती हैं। इसकी अधिकतम सीमा 10 लाख रुपए तक होती है। उदाहरण के लिए, यदि आपके घर की इमारत का बीमा 40 लाख का किया है, तो आपकी घरेलू सामग्री 8 लाख रुपए की सीमा तक कवर की जाएगी। विवरण घोषित करके यह राशि बढ़ाने का विकल्प होता है। 1 करोड़ रुपए के बीमा का प्रीमियम 2,500-4,200 रुपए सालाना होता है।

कितने साल का बीमा होगा?

आप पॉलिसी 10 वर्षों तक खरीद सकते हैं। महंगाई को ध्यान में रखते हुए, पॉलिसी में ऑटो-एस्केलेशन की सुविधा भी है। यह प्रारंभिक बीमा राशि के अधिकतम 100त्न तक प्रति वर्ष 10त्न की दर से बढ़ेगा। मसलन, यदि प्रारंभिक बीमा राशि 20 लाख है, तो यह पहले वर्ष के बाद 22 लाख रुपए तक, दूसरे वर्ष में 24 लाख रुपए हो जाएगी, और वह भी बिना अतिरिक्त प्रीमियम के। यहां तक कि वार्षिक पॉलिसी के तहत, बीमा राशि पॉलिसी शुरू होने की तिथि पर बीमा राशि के 10त्न के 1/365वें हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाली राशि से प्रत्येक दिन अपने आप बढ़ जाएगी।

पॉलिसी इन घटनाओं के लिए कवर प्रदान करती है

विस्फोट
भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट या बड़े प्राकृतिक आपदा
भूस्खलन, चट्टानों का खिसकना
आकाशीय बिजली
तूफान, चक्रवात, आंधी, तूफान, बवंडर, सुनामी, बाढ़ और बाढ़
टकराने से क्षति
दंगा, हड़ताल, तोड़फोड़
झाड़ी की आग, जंगल की आग
मिसाइल टेस्टिंग ऑपरेशन
आतंकी घटना
स्वचालित छिड़काव यूनिट्स का लीकेज
पानी की टंकियों, उपकरणों और पाइपों का फटना या ओवरफ्लो होना
चोरी

कवर कौन खरीद सकता है?

यदि आप मकान मालिक या किरायेदार हैं और बिल्डिंग का उपयोग आवासीय उद्देश्य के लिए किया जा रहा है तो आप पॉलिसी खरीदने के हकदार हैं।

स्पाइसजेट से विमान लेने में रोड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

विमान पट्टे पर देने वाली विश्व की सबसे बड़ी कंपनियों को भारत में अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि कर अधिकारी उन्हें स्पाइसजेट को पट्टे पर दिए गए विमान जीएसटी बकाया होने के कारण वापस नहीं लेने दे रहे हैं। बिज़नेस स्टैंडर्ड ने इस बात की पुष्टि की है कि स्पाइसजेट के कम से कम 13 बोइंग 737 विमानों को कर अधिकारियों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं मिल रहा है। स्पाइसजेट अपनी परिचालन लागत घटाने के लिए इन्हें लौटाना चाहती है। लेकिन पट्टा कंपनियों को ये विमान वापस देने की मंजूरी इसलिए नहीं मिली है क्योंकि स्पाइसजेट ने रिवर्स चार्ज व्यवस्था के जरिये बकाया जीएसटी का भुगतान नहीं किया है। यह जीएसटी प्रत्येक विमान के किराये का पांच फीसदी है। रिवर्स चार्ज वहां लगता है, जहां वस्तु या सेवा की प्राप्तकर्ता (इस मामले में विमानन कंपनी) जीएसटी का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार है। ये विमान आईसीबीसी लीजिंग समेत प्रमुख वित्त कंपनियों के समर्थन वाली कंपनियों द्वारा किराये पर दिए गए हैं। आईसीबीसी लीजिंग पर इंडस्ट्रियल ऐंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना, एविएशन कैपिटल ग्रुप और बीबीएएम का स्वामित्व है।

बीबीएएम निजी इक्विटी कंपनी कार्लाइल ग्रुप की है। इन कंपनियों ने इस मामले में भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। स्पाइसजेट हरियाणा के उत्पाद शुल्क एवं कराधान विभाग के खिलाफ पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में गई थी। कंपनी ने याचिका दायर कर कहा था कि उसे 285 करोड़ रुपये का जीएसटी बकाया 10 किस्तों में चुकाने की मंजूरी दी जाए क्योंकि वह कोविड-19 के कारण नकदी की किल्लत से जूझ रही है। लेकिन कर अधिकारियों ने यह कहते हुए इसका विरोध किया कि जीएसटी अधिनियम के अनुसार स्व-आकलन के तहत बकाया किस्तों में नहीं चुकाया जा सकता। इसके बजाय उन्होंने कंपनी के खिलाफ वसूली की प्रक्रिया शुरू की है। नियामकीय अड़चनों से चिंतित कैलिफोर्निया के एविएशन कैपिटल ग्रुप ने अपने विमान वापस लेने के लिए अदालत में गुहार लगाई है। इस कंपनी ने विधि फर्म सरीन ऐंड कंपनी के जरिये कहा है कि वह विमान वापस लेने के लिए करीब 1 करोड़ रुपये की जीएसटी देनदारी चुकाने को भी तैयार है। लेकिन अधिकारियों ने भुगतान स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि विमान की आयातक स्पाइसजेट है, इसलिए बकाये का भुगतान विमानन कंपनी ही करेगी।

विमान पट्टे पर देने वाली कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि इस अड़चन की वजह से पट्टा कंपनियां और ऋणदाता भारतीय बाजार के प्रति सतर्कता बरतने के लिए बाध्य होंगे। वे पट्टे की रकम में ज्यादा जोखिम प्रीमियम जोड़ेंगे क्योंकि उन्हें चिंता होगी कि डिफॉल्ट होने पर विमान पाना मुश्किल हो जाएगा। इससे भारतीय विमानन कंपनियों को पट्टे पर ज्यादा पैसा खर्च करना होगा। भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 85 फीसदी से अधिक विमान किराये पर हैं, जिसकी लागत उनकी तीन मुख्य लागतों में से एक है।

नकद का स्थान नहीं ले पाएगा डिजिटल भुगतान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

डिजिटल भुगतान में तेज बढ़ोतरी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था कम से कम अगले कुछ साल नकदी पर निर्भर बने रहने के आसार हैं। इसी पर ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) विनिर्माता और नकदी लाने-ले जाने वाली कंपनियां दांव लगा रही हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़े दर्शाते हैं कि पिछले साल ज्यादातर समय चलन में मौजूद मुद्रा में वृद्धि 20 फीसदी से ज्यादा रही, लेकिन यह साल 29 अक्टूबर तक गिरकर 8.5 फीसदी रह गई। पिछले साल मुद्रा में भारी बढ़ोतरी की वजह महामारी से संबंधित अनिश्चितताएं थीं, जिसमें लोगों ने आकस्मिक जरूरतों के लिए नकदी रखने को प्राथमिकता दी। इस समय 28.5 लाख करोड़ रुपये की मुद्रा चलन में है। मगर बढ़ोतरी की रफ्तार सुस्त पड़ी है क्योंकि अतिरिक्त नकदी की जरूरत कम है। पांच साल पहले नोटबंदी के दौरान महज 18 लाख करोड़ रुपये की मुद्रा चलन में थी। हालांकि इन पांच वर्षों के दौरान कम से कम महानगरों और शहरी इलाकों में डिजिटल भुगतान नकदी की जरूरत को पीछे छोड़कर मुख्यधारा में आ गए हैं। केवल अक्टूबर में 4 अरब से अधिक यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस या यूपीआई लेनदेन हुए। यह इस भुगतान प्लेटफॉर्म की शुरुआत के बाद अब तक का सर्वोच्च स्तर है, जिसे त्योहारी सीजन से मदद मिली है। मूल्य के लिहाज से इस भुगतान प्लेटफॉर्म पर अक्टूबर में रिकॉर्ड 100 अरब डॉलर या 7.71 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के सीईओ दिलीप अस्बे का अनुमान है।

सितंबर में महंगाई दर घटने से मिली राहत, लेकिन बन रहा है दबाव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5 महीने के निचले स्तर 4.35 प्रतिशत पर रही है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से लेकर नोमुरा जैसी प्रतिष्ठित एजेंसियां और कंपनियां महंगाई के दबाव को लेकर चिंता जता रही हैं। सितंबर में थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) उस स्तर पर पहुंच गई है, जितनी अप्रैल में थी, लेकिन अभी भी यह 10.7 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी हुई है। ज्यादा दरें आंशिक रूप से सितंबर 2020 के 1.3 प्रतिशत के निम्न आधार के कारण है। खुदरा खाद्य महंगाई दर सितंबर महीने में गिरकर महज 0.68 प्रतिशत रह गई है, जो इसके पहले महीने में 3.28 प्रतिशत थी। इसमें भी सब्जियों के दाम में गिरावट जारी है और इसमें अगस्त के 11.69 प्रतिशत की तुलना में 22.47 प्रतिशत की गिरावट आई है। बहरहाल टमाटर व प्याज जैसे खाद्य पदार्थों की कीमत में हाल के सप्ताहों में तेजी आई है। आंकड़ों से पता चलता है कि 6 नवंबर को टमाटर की कीमत इसके पहले के साल की तुलना में करीब 24 प्रतिशत ज्यादा थी।

टमाटर:- प्रमुख उत्पादक राज्यों में देर से हुई बारिश के कारण टमाटर की तैयार फसल खराब हो गई, जिसके कारण इसके दाम में तेज बढ़ोतरी हुई है। आधिकारिक अनुमान के मुताबिक अक्टूबर के आखिर में इस खरीफ सत्र में 2,47,000 हेक्टेयर में टमाटर की फसल थी। इसमें से बारिश की वजह से 4,000 हेक्टेयर फसल खराब हो गई।

प्याज:- खरीफ की फसल बारिश से खराब होने से अक्टूबर में इसके दाम तेजी से बढ़े हैं। केंद्र सरकार के भंडार में रखे प्याज बाजार में उतारने से कीमतों में कुछ कमी आई और 6 नवंबर को पिछले साल की समान अवधि की तुलना में खुदरा बाजार में प्याज के दाम करीब 38 प्रतिशत कम रहे।

खाद्य तेल:- पिछले कुछ महीनों के दौरान सभी प्रमुख खाद्य तेलों के दाम आसमान पर रहे हैं। खासकर फरवरी, 2021 के बाद वैश्विक कीमतों में तेजी (जहां तिहलन की फसल का एक हिस्सा जैव ईंधन में बदला गया) और घरेलू भंडार कम रहने का असर पड़ा है। फरवरी से अब तक कीमतें कम करने के लिए केंद्र ने 5 बार आयात शुल्क कम किया है। हाल में 13 अक्टूबर को पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल के कच्ची किस्म पर बुनियादी सीमा शुल्क खत्म कर दिया गया है और साथ ही मार्च, 2022 तक के लिए कृषि उपकर भी खत्म कर दिया गया है।

सोने पर ओवरड्राफ्ट सुविधा टर्म लोन से ज्यादा सस्ती

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी के दौरान वित्तीय मुसीबत में फंसने वाले लोगों के लिए नकदी की जरूरत पूरी करने में गोल्ड लोन सहारा बना। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के मुताबिक इस श्रेणी में बकाया ऋण 27 अगस्त को 62,926 करोड़ रुपये था, जिसमें साल भर पहले के मुकाबले 66.2 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि लोगों को दिए गए ऋणों की सभी श्रेणियों में सबसे तेज है। ऐसा लगता है कि ये ऋण निकट भविष्य में भी लोकप्रिय बने रहेंगे। क्रिसिल की हाल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां इस वित्त वर्ष में 18 से 20 फीसदी बढने का अनुमान है। एनबीएफसी ही मुख्य रूप से सोने पर कर्ज देती हैं। पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने गोल्ड लोन को आकर्षक बनाने की कोशिश की है, जिसने आभूषणों पर ऋण की ब्याज दर घटाकर 7.3 फीसदी कर दी है। छोटे उद्यमों के मालिक बड़े पैमाने पर ऐसे ऋण लेते हैं। डीसीबी बैंक के प्रमुख (खुदरा बैंकिंग) प्रवीण कुट्टी ने कहा, बहुत से उद्यमियों को त्योहारी सीजन से पहले अपना कारोबार दोबारा शुरू करने या इसे बढ़ाने के लिए वित्तीय मदद की दरकार है। उनके लिए कार्यशील पूंजी जुटाने और अपने कारोबार में लगाने के लिए गोल्ड लोन सबसे त्वरित तरीका है। गोल्ड लोन से कर्ज लेने वालों को तुरंत नकदी मिल जाती है। एंड्रोमेडा और अपनापैसा के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) वी स्वामीनाथन ने कहा, ये दस्तावेज बिना किसी कागजी-कार्रवाई के लिए जा सकते हैं। कर्जदार को आय का कोई सबूत नहीं दिखाना पड़ता है। कर्ज की रकम भी तुरंत ही दे दी जाती है।

एएआई की जमीन के वाणिज्यिक इस्तेमाल पर हट सकती है रोक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की जमीन के वाणिज्यिक इस्तेमाल की संभावना बढ़ाने के लिए कानूनी संशोधन पर विचार कर रही है। इस मामले से जुड़े व्यक्ति ने कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरपोर्ट अथॉरिटी आफ इंडिया ऐक्ट, 1994 में संशोधन के लिए अतरमंत्रालयी विमर्श शुरू किया है। इसके बाद सरकार एक विधेयक पेश करेगी। इससे एएआई को करीब 55,000 हेक्टेयर जमीन के वाणिज्यिक इस्तेमाल की ज्यादा स्वतंत्रता मिलेगी, साथ ही इस कदम से छोटे व कस्बाई इलाकों में स्थित हवाईअड्डों के निजीकरण की संभावना बढ़ेगी। इस अधिनियम में एएआई को हवाईअड्डों के निकट होटल, रेस्टोरेंट और रेस्टरूम बनाने व उसके रखरखाव, वेयरहाउस व कार्गो कॉम्प्लेक्स बनाने की अनुमति है। लेकिन इसमें यह नहीं कहा गया है कि जमीन का इस्तेमाल शॉपिंग सेंटर, कॉन्फ्रेंस सेंटर, वाणिज्यिक कार्यालय, वाणिज्यिक या बहुद्देश्यीय इस्तेमाल के परिसर और ट्रेनिंग सेंटर बनाने में किया जा सकता है। प्रस्तावित संशोधन से एएआई के कार्यों को विस्तार मिलेगा, जिसमें वह जमीन का इस्तेमाल कर सकेगी। ये जमीनें अधिकतर देश के प्रमुख शहरी इलाकों में हैं। सूत्रों ने कहा कि संशोधन के तहत सरकार जमीन के इस्तेमाल का वर्गीकरण नहीं करना चाहती है। मंत्रालय चाहता है कि खतरनाक और प्रदूषण वाली गतिविधियों को छोड़कर सभी गतिविधियों की अनुमति हो। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, %जमीन के इस्तेमाल पर सीमाएं खत्म किए जाने से एएआई को वित्तीय स्थिति सुधारने में मदद मिलेगी, जो महामारी से बहुत ज्यादा प्रभावित हुआ है। सरकारी हवाईअड्डा ऑपरेटर को कुल मिलाकर वित्त वर्ष 21 में 2,948.97 करोड़ रुपये नुकसान हुआ है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
Airports Authority of India

मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की व्यक्तिगत जीत

- एल. एस. हरदेनिया

30 अक्टूबर को उपचुनाव से एक हफ्ते पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा जब बरवाहा विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बने सचिन बिड़ला ने सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने के लिए इस्तीफ़ा दे दिया। बरवाहा खंडवा लोकसभा सीट के आठ विधानसभा क्षेत्रों में से एक है, जहां गुर्जर की आबादी अधिक है। मध्यप्रदेश में 30 अक्टूबर को हुए उपचुनाव में बीजेपी की इतनी बड़ी जीत की किसी को उम्मीद नहीं थी। ज्यादातर पर्यवेक्षकों का मानना था कि डीजल, पेट्रोल, एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि और बुवाई के समय उर्वरकों की कमी के कारण. मतदाता भाजपा को सबक सिखाएंगे। लेकिन उन्होंने पर्यवेक्षकों को तीन में से दो विधानसभा और एक लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवारों को जिताकर बहुत बुरी तरह से निराश किया। इन जीत का श्रेय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को जाता है, जिन्होंने 40 जनसभाओं को संबोधित किया और हजारों मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की, अज्ञात मतदाताओं के घरों में रात बिताई और साबित किया कि वह एक मास्टर चुनावी रणनीतिकार हैं। परिणामों के दिलचस्प पहलुओं में से एक यह है कि प्रत्येक पार्टी एक-दूसरे से एक सीट जीतने में कामयाब रही, जो उसने दशकों में नहीं जीती थी- बीजेपी ने जोबाट और कांग्रेस ने रायगांव को जीत लिया। भाजपा ने खंडवा संसदीय सीट को काफी आराम से बरकरार रखा, जिसमें ज्ञानेश्वर पाटिल ने कांग्रेस के राजनारायण सिंह को हराया। हालांकि, 2019 में नंदकुमार सिंह चौहान की 2.73 लाख की जीत का अंतर 82,140 का केवल एक तिहाई था। आदिवासी आरक्षित जोबत में, टिकट वितरण से कुछ दिन पहले कांग्रेस से अलग हुई भाजपा उम्मीदवार सुलोचना रावत ने कांग्रेस के महेश पटेल को 6,080 मतों से हराया। शिवराज सिंह चौहान जोबट की जीत से विशेष रूप से रोमांचित थे। उन्होंने कहा, 'परिणाम बताते हैं कि भाजपा के लिए लोगों का समर्थन अद्भुत और अभूतपूर्व है।' उन्होंने कहा, 'मैं अभूतपूर्व कहता हूं क्योंकि खंडवा लोकसभा सीट के साथ हमने जोबाट भी जीता, जहां 90 फीसदी मतदाता आदिवासी हैं और बीजेपी ने 70 वर्षों में केवल दो बार यह सीट जीती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी हम पिछड़ गए थे। इस विधानसभा क्षेत्र में 18,000 वोटों से' मुख्यमंत्री ने कहा। एक और सीट जो भाजपा ने केवल एक बार पहले जीती थी, वह है उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे निवाड़ी जिले का पृथ्वीपुर। भाजपा के शिशुपाल सिंह यादव ने कांग्रेस के नितेंद्र सिंह राठौर को 15,641 मतों से हराया। यादव 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी के साथ थे और 2019 में भाजपा में शामिल हो गए।

कांग्रेस की अकेली जीत रायगांव में हुई, जो कि एससी आरक्षित विधानसभा सीट थी, जहां कल्पना वर्मा ने भाजपा की प्रतिमा बागड़ी को 12,265 मतों से हराया था। रायगांव भाजपा का पारंपरिक किला है, जिसे कांग्रेस ने तीन दशकों में पहली बार जीता था। पांच बार के भाजपा विधायक जुगल किशोर बागड़ी के निधन के कारण यह सीट खाली हुई थी। मुख्यमंत्री चौहान का मानना है कि जोबट में जीत इस बात का संकेत है कि आदिवासियों ने समुदाय के लिए सरकार के कार्यों को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा,'चाहे खंडवा, पृथ्वीपुर या जोबट, यह परिणाम लोगों के प्यार, विश्वास और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति सम्मान को दर्शाता है। केंद्र ने जो किया है उसकी लोग सराहना करते हैं, चाहे वह कोरोना नियंत्रण में हो या आत्मनिर्भर भारत के लिए।'

चौहान ने कहा कि बसपा ने चुनाव नहीं लड़ा, लेकिन भाजपा जीत गई। उन्होंने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है। ऐसा माना जाता है कि अगर बसपा चुनाव नहीं लड़ती है, तो उसका वोट कांग्रेस को जाता है। विधानसभा चुनाव में, बसपा को पृथ्वीपुर में 31,000 और रायगांव में 16,000 वोट मिले थे। बसपा की उपस्थिति के बिना, हम अभी भी जीते हैं'। पूर्व सीएम कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस इस साल मई में हुए उपचुनाव में दमोह की जीत का गौरव नहीं दोहरा सकी। मुख्यमंत्री चौहान ने 40 जनसभाओं को संबोधित किया और उपचुनाव क्षेत्रों में पांच रात रुककर ग्रामीणों के साथ भोजन किया। भाजपा ने अपनी बड़ी तोपें निकालीं- राज्य पार्टी अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रहलाद पटेल, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, लगभग दो दर्जन मंत्रियों को चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई। दूसरी ओर, कांग्रेस में, प्रचार मुख्य रूप से नाथ के इर्द-गिर्द केंद्रित था, जिन्होंने 15 जनसभाओं को संबोधित किया था। सचिन पायलट ने आखिरी चरण में प्रचार किया। 30 अक्टूबर को उपचुनाव से एक हफ्ते पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा जब बरवाहा विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बने सचिन बिड़ला ने सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने के लिए इस्तीफ़ा दे दिया। बरवाहा खंडवा लोकसभा सीट के आठ विधानसभा क्षेत्रों में से एक है, जहां गुर्जर की आबादी अधिक है।

संपादकीय

सोशल मीडिया पर लगाम का संकट

ये असुविधा के दिन हैं। जीवन में सबसे बड़े असुविधा के दिन वे होते हैं, जब हमारी कोई सुविधा विवादों के घेरे में आ जाती है। फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम और इन जैसे अन्य सोशल मीडिया साइट ऐसी ही कुछ सुविधाएं हैं, जिन्हें आधुनिक तकनीक ने संभव बनाया है और बाजार ने हमारे सामने परोसा है। इनके पोषण का अभ्यस्त हो चुका समाज अब जन-स्वास्थ्य पर इनके दुष्प्रभावों की चिंता में दुबला होने लगा हैं। मानव सभ्यता की अनेक पुरानी व्याधियों को इसने हवा दी है और कुछ नई व्याधियां भी पैदा कर दी हैं। सरकारों पर दबाव है कि वे कुछ करें, लेकिन किसी को बहुत ठीक से नहीं पता कि क्या किया जाए? या हम जिस मोड़ पर पहुंच गए हैं, वहां कुछ हो भी सकता है या नहीं?

आधुनिक सोशल मीडिया से हम एक साथ दो स्तरों पर एकसार होते हैं। एक तो हमें यहां अपने दोस्तों, परिचितों, रिश्तेदारों और बचपन के बिछड़े साथियों से जुड़ने का मौका मिलता है। इसी से जुड़ी एक सुविधा यह भी है कि यहां हम कई जाने-माने और सत्ता संपन्न लोगों से सीधे जुड़ सकते हैं। आपकी भेजी हुई चिट्ठी उतनी आसानी से देश के प्रधानमंत्री तक नहीं पहुंच सकती, जितनी आसानी से आपका ट्वीट पहुंच सकता है। फिर यह कई तरह से अपने दायरे को फैलाने का मंच भी बन जाता है, यहां हम अपने समान विचारों वाले लोगों, या राजनीतिक कार्यकर्ताओं की भाषा में कहें, तो अपने समान-धर्मी लोगों से भी जुड़ पाते हैं।

यहीं पर जुड़ाव का एक दूसरा स्तर या एक अलग प्रभाव देखने को मिलता है। समाजशास्त्री यह मानते रहे हैं कि जैसे-जैसे लोगों को सामाजिक दायरा बढ़ता है, उनके नजरिये में खुलापन आता है। वे दूसरों की भावनाओं और उनके सुख-दुख को समझना शुरू करते हैं। वे अपनी सोच और पूर्वाग्रहों के पुराने दड़बों से निकलकर व्यापक सामाजिक सरोकारों को समझना शुरू करते हैं। लेकिन सोशल मीडिया इस धारणा को झुठलाता दिखता है। पिछले कुछ समय में सोशल मीडिया ने न सिर्फ पूर्वाग्रहों को मजबूत किया, बल्कि इनके आस-पास चलने वाली नफ़रत की राजनीति को बढ़ावा ही नहीं दिया, एक नई तरह की उग्रता भी दी है। वास्तविक जीवन में हम भले ही सच के महत्व और इसकी जीत की बात करते हों, लेकिन सोशल मीडिया पर झूठ का ही बोलबाला दिखता है। यह भारत में ही नहीं, पूरी दुनिया में हो रहा है। यह भी बहुत स्पष्ट है कि सोशल मीडिया को चलाने वाली कंपनियां इसी झूठ और नफ़रत को बढ़ावा देती हैं, क्योंकि इसी में उन्हें मुनाफ़ा दिखाई देता है। यही प्रवृत्तियां उनके रेवेन्यू मॉडल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पिछली तिमाही में अगर फेसबुक ने प्रति सब्सक्राइबर 53 डॉलर की कमाई की, तो इसमें झूठ और नफ़रत की सबसे बड़ी भूमिका है। राजनीतिक दल भी झूठ और नफ़रत के इस मंच का फ़ायदा किस तरह सत्ता हासिल करने में उठाते हैं, इसे भी हम कैंब्रिज एनालिटिका के मामले में देख चुके हैं। इन्हीं सबको देखते हुए दुनिया भर में सोशल मीडिया पर लगाम लगाने की आवाजें उठने लगी हैं, लेकिन ठीक यहीं पर एक दूसरी समस्या खड़ी हो जाती है। भारत में अगर आप किसी वामपंथी से बात करें, तो वह आपको बहुत से कारण गिनाएगा और बहुत से उदाहरण बताएगा कि सोशल मीडिया पर लगाम लगाना क्यों जरूरी है। झूठ के सहारे नैरेटिव गढ़ने और नफ़रत फैलाने की राजनीति उसे पिछले कुछ समय से काफी परेशान कर रही है। दूसरी तरफ, अगर आप भाजपा और संघ परिवार के लोगों से बात करें, तो वे आपको बताएंगे कि किस तरह से किसान आंदोलन, नागरिकता कानून विरोधी आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया गया और विरोध व प्रदर्शनों के कई टूलकिट बनाए व फैलाए गए। इन दोनों ही ध्रुवों के बीच जो भी और जितने भी दल हैं, उनकी सोच भी ऐसी ही है। ये सब मानते हैं और अक्सर मांग भी करते हैं कि सरकार को आगे बढ़कर सोशल मीडिया पर लगाम लगानी चाहिए। सरकार मीडिया पर लगाम लगाए, इसके लिए दूसरा शब्द है सेंसर। हैरत की बात है, यह मांग राजनीतिक दल कर रहे हैं। अभिव्यक्ति के मंचों की आजादी वह उपलब्धि है, जिसे मानव सभ्यता ने सदियों के संघर्ष के बाद हासिल किया है। क्या सोशल मीडिया की पिछले आधे दशक की गड़बड़ियों के कारण हम इसे गंवाने को तैयार हैं? सेंसर का क्या अर्थ होता है, इसे हम अच्छी तरह जानते हैं। यह हमेशा ही सरकार के पूर्वाग्रहों से उपजता है और किसी भी तरह से सरकार व सत्ताधारी दल को खुश करने वाली नौकरशाही के जरिये जमीन पर उतरता है। अगर सचमुच यह सरकार सोशल मीडिया पर लगाम कस दे, तो शिकायत दर्ज कराने वालों में सबसे आगे वामपंथी ही होंगे। इसी तरह से अगर देश में कांग्रेस की सरकार हो, तो इस कतार में भाजपाई और वामपंथी एक साथ खड़े नजर आएंगे।

वैसे सोशल मीडिया के कुप्रभावों से हम ही नहीं, पूरी दुनिया परेशान है। इसे लेकर जो बेचैनी पश्चिम में दिखनी शुरू हुई है, वह हमसे कहीं ज्यादा है। तकरीबन हर देश में किसी न किसी तरह की कोशिश चल रही है। विभिन्न कमेटियों और अदालतों के सामने सोशल मीडिया कंपनियों के अधिकारियों की पेशी हो रही है।

नोटबंदी के पांच साल

देश में कैश का अत्यधिक सर्कुलेशन का एक सीधा सम्बन्ध भ्रष्टाचार से है। भ्रष्टाचार से अर्जित कैश का कारोबार महंगाई पर बड़ा असर पैदा करता है. इसकी मार गरीब को झेलनी पड़ती है। इस तरह आतंकवाद, काला धन, और भ्रष्टाचार के भयंकर असर को बताते हुए मोदीजी ने घोषणा की कि देश को भ्रष्टाचार और काले धन रूपी दीमक से मुक्त कराने के लिए एक और सख्त कदम उठाना जरूरी हो गया है। आज मध्य रात्रि यानि 8 नवम्बर 2016 की रात्रि 12 बजे से वर्तमान में जारी 500 रुपये और 1,000 रुपये के करेंसी नोट लीगल टेंडर नहीं रहेंगे।

आज से ठीक पांच साल पहले 8 नवंबर 2016 को नरेन्द्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़ा एक ऐतिहासिक लेकिन क्रूर फैसला लिया था। पांच सौ और हजार रुपए के नोट एक झटके में अमान्य करने का तुगलकी फ़रमान प्रधानमंत्री मोदी ने देश को सुनाया था, और इसके लिए एक विस्तारित भूमिका बांधते हुए लगभग 34 मिनट का भाषण दिया था। उस भाषण की बातें ऊपरी तौर पर मखमली लग रही थी, लेकिन भीतर आम आदमी को चोट पहुंचाने वाला कोड़ा छिपा था। अपने भाषण की शुरुआत में नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि दिवाली के पावन पर्व की समाप्ति नई आशाएं और नई खुशियों के साथ हुई होंगी।

फिर उन्होंने कहा कि जब आपने 2014 मई में हमें जिम्मेदारी सौंपी थी, तब विश्व की अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स के सन्दर्भ में यह आम चर्चा थी कि ब्रिक्स में जो 'आई' अक्षर है, वह लुढ़क रहा है, यानी इंडिया की अर्थव्यवस्था लुढ़क रही है, लेकिन मोदीजी ने दावा किया कि उनकी सरकार ने उसे ढाई सालों में संभाल लिया। उन्होंने फिर विकास का हवाला देते हुए कहा कि विकास की इस दौड़ में हमारा मूल मंत्र रहा है 'सबका साथ, सबका विकास'। यह सरकार गरीबों को समर्पित है और समर्पित रहेगी। इसके बाद उन्होंने उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना, कृषि बीमा जैसी कई योजनाओं का बखान करते हुए कहा कि ये सरकार गांव, गरीब और किसान को समर्पित है। फिर प्रधानमंत्री ने देश को भ्रष्टाचार से होने वाले नुकसान गिनाए और ये बताया कि कुछ लोग ही हैं जो भ्रष्टाचारी हैं, देश का आम नागरिक तो ईमानदार ही है। फिर मोदीजी ने कहा कि इस देश ने यह वर्षों से महसूस किया है कि भ्रष्टाचार, काला धन, जाली नोट और आतंकवाद - ऐसे नासूर हैं जो देश को विकास की दौड़ में पीछे धकेलती हैं।

देश में कैश का अत्यधिक सर्कुलेशन का एक सीधा सम्बन्ध भ्रष्टाचार से है। भ्रष्टाचार से अर्जित कैश का कारोबार महंगाई पर बड़ा असर पैदा करता है. इसकी मार गरीब को झेलनी पड़ती है। इस तरह आतंकवाद, काला धन, और भ्रष्टाचार के भयंकर असर को बताते हुए मोदीजी ने घोषणा की कि देश को भ्रष्टाचार और काले धन रूपी दीमक से मुक्त कराने के लिए एक और सख्त कदम उठाना जरूरी हो गया है। आज मध्य रात्रि यानि 8 नवम्बर 2016 की रात्रि 12 बजे से वर्तमान में जारी 500 रुपये और 1,000 रुपये के करेंसी नोट लीगल टेंडर नहीं रहेंगे। फिर उन्होंने बताया कि लोगों को इस वजह से कम से कम तकलीफ हो, इसके लिए कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं। और आखिर में नरेन्द्र मोदी ने भारत की जनता को राष्ट्रवाद की तगड़ी खुराक देते हुए कहा कि हर सामान्य नागरिक भ्रष्टाचार, काला धन, जाली नोट के खिलाफइस महायज्ञ में, इस लड़ाई में अपना योगदान दे सकता है। उन्होंने तब ये भी कहा था कि पूरे विश्व को भारत की इस ईमानदारी का उत्सव दिखाएं। इस भाषण को लोगों ने सांस रोककर सुना और उसके बाद तो पैरों तले जमीन ही खिसक गई। पांच साल पहले बैंकों और एटीएम के बाहर दिन-रात कैसी लंबी-लंबी कतारें लगती थीं, वो दृश्य आज भी डराता है। मगर उत्सव प्रेमी मोदीजी ईमानदारी का उत्सव मनाने का आह्वान भारतीयों से कर रहे थे। भारतीय परंपरा और संस्कृति की बात करने वाले नरेन्द्र मोदी क्या ये नहीं जानते कि ईमानदारी न उत्सव मनाने की चीज है, न दिखावे की। वह एक जीवन मूल्य है, जो हरेक को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। और जिसे धारण किया जाए, वो धर्म होता है। इस नाते ईमानदारी धर्म है। मगर आज उस धर्म का जनाजा देश में निकल चुका है और लोग अब तक छाती पीट कर रो रहे हैं। सरकार अब भी डींगे हांकने में लगी है। नोटबंदी का ऐलान करते हुए भारत की अर्थव्यवस्था से लेकर, गरीबों के कल्याण, किसानों का उत्थान और महंगाई को लेकर जितनी बातें प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में की थीं, सब हवा हवाई साबित हुईं। देश से न भ्रष्टाचार खत्म हुआ, न आतंकवाद और जिस कैशलेस इकॉनॉमी का ढोल बार-बार पीटा गया था, उसकी हकीकत भी सामने आ गई है। नोटबंदी में लोगों की जेब से तो नकदी निकाल ली, लेकिन उन अमीरों की तिजोरी में रखे काले धन को सरकार नहीं निकाल पाई, जिनके कारण देश में आर्थिक गैरबराबरी बढ़ी है। बल्कि मोदी सरकार के फैसलों के कारण देश और देश के लोग दोनों गरीब हो गए। कोरोना काल में मध्यमवर्ग की संख्या घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है। जबकि चंद उद्योगपतियों की दौलत में इजाफ़ा हुआ है। इन्हीं उद्योगपतियों के हाथों में देश की सार्वजनिक संपत्ति तेजी से दी जा रही है। रहा सवाल नोटबंदी के बाद नकदी कम होने का, तो पांच साल में उसका उल्टा असर ही दिखाई दे रहा है। अर्थव्यवस्था में नकदी की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. आंकड़े बताते हैं कि पिछले महीने आठ अक्टूबर को समाप्त हुए पखवाड़े पर नकदी 28.30 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर रही, जो कि नोटबंदी से पहले चार नवंबर 2016 की तुलना में 57.48 फीसदी अधिक है। उस समय जनता के हाथों में 17.97 लाख करोड़ रुपये की नकद राशि उपलब्ध थी, जो कि अब 10.33 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। वहीं यदि नोटबंदी के बाद की स्थिति से तुलना करते हैं तो नकद राशि में 211 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। 25 नवंबर 2016 को 9.11 लाख रुपये की नकदी बाजार में उपलब्ध थी। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 23 अक्टूबर, 2020 को ख़त्म हुए पखवाड़े में जनता के हाथ में दिवाली से पहले 15,582 करोड़ रुपये की और नकदी आई थी। यह हर साल 8.5 फ़ीसदी की या फिर 2.21 लाख करोड़ रुपये की रफ़्तार से बढ़ी है।

मीडिया मीठा जहर है, सरकार शायद कुछ समझी

- शकील अख्तर

अब पेट्रोल, डीजल के भावों में कमी और फिर मुंबई में समीर वानखेड़े को जांच से हटाना दो ऐसे काम हुए जिससे पहली बार लगा कि सरकार लड़खड़ाई है। और संभलने के लिए पिछले पांव पर आई है। मोदी सरकार के कामकाज का तरीका देखते हुए यह आश्चर्यजनक है। उसकी पूरी ब्रांडिंग आक्रामकता में छुपी हुई है। वह आक्रामकता सामान्य जनता के खिलाफ है। दलित, पिछड़ों, कमजोर तबकों के खिलाफ है। सात साल में पहली बार हुआ। मोदी सरकार ने अपने पांव वापस खींचे। अभी तक वह आक्रामक रूप में थी। सबसे भंयकर समय कोरोना का आया। दूसरी लहर में। जनता बिना इलाज के मरी। और मरे हुओं को विधिवत दाह संस्कार भी नसीब नहीं हुआ। मगर उस निर्मम वक्त भी सरकार चिंतित और मदद करने की मुद्रा में नहीं आई। सारी जिम्मेदारी एक अमूर्त सिस्टम पर डाल दी गई और इस पर सब्र नहीं आया तो कहा गया कि मरने वाले मोक्ष को प्राप्त हो गए। मगर अब पेट्रोल, डीजल के भावों में कमी और फिर मुंबई में समीर वानखेड़े को जांच से हटाना दो ऐसे काम हुए जिससे पहली बार लगा कि सरकार लड़खड़ाई है। और संभलने के लिए पिछले पांव पर आई है। मोदी सरकार के कामकाज का तरीका देखते हुए यह आश्चर्यजनक है। उसकी पूरी ब्रांडिंग आक्रामकता में छुपी हुई है। वह आक्रामकता सामान्य जनता के खिलाफ है। दलित, पिछड़ों, कमजोर तबकों के खिलाफ है। और जहां जो जाति चाहे वह सवर्ण में सर्वोच्च हो दब जाए तो उसके खिलाफ है। जैसे उत्तर प्रदेश में। वहां किसी प्रमाण की जरूरत नहीं हैं। खुद योगी सरकार के मंत्री जितिन प्रसाद सबसे बड़े गवाह और प्रमाण हैं। ब्राह्मणों की हत्या के जिलेवार आंकड़े उन्होंने ही जारी किए थे। राज्य में इसके खिलाफ आंदोलन एक अलग ब्रह्म संगठन बनाकर वे ही चला रहे थे। वे सारे तथ्य आज भी बिना जांच के हैं। बेहतर होगा कि जितिन ही अपने लगाए आरोपों की जांच करें और जांच रिपोर्ट जारी करें। मंत्री हैं सारी सुविधाएं व्यवस्थाएं हैं। कह दें कि ब्राह्मणों के द्वारा लगाए गए सारे आरोप झूठे और फर्जी थे। बात खत्म हो जाएगी। और नई पार्टी में उनका रुतबा माना जाने लगेगा। अभी जो गरीब के गोद लिए बालक से दया से देखे जाते हैं वह रुतबा बदलकर घर के वारिस की तरह रौबदार हो जाएगा।

खैर, वह उनकी मर्जी है कि किस स्थिति में खुश रहते हैं। मगर बात यह हो रही थी कि आक्रामकता है सारी आम जनता के खिलाफ। मगर दिखाई जा रही है मुसलमान के खिलाफ। उन्हें लगता है कि हिन्दू-मुसलमान ही वह मंत्र है जो हर समस्या का समाधान है। चीन ने अरुणाचल में अपना गांव बसा दिया। अमेरिका (पेंटागन) खबर दे रहा है। मगर हमारे यहां कोई चिन्ता नहीं है। लगता है हिन्दू-मुसलमान इस समस्या का भी इलाज है। देश की जनता को तो यही भ्रम दिया जाता है कि लाल आंखें करके जैसे ही लाल सेना की तरफ देखा जाएगा वह अरुणाचल और लद्दाख छोड़कर भाग खड़ी होगी। होना भी चाहिए। भारत की सेना इतनी ताकतवर है। उसने अपना ये पराक्रम कई बार दिखाया है।

इन्दिरा गांधी ने कहा बांग्लादेश अलग कर दो। सेना ने कर दिया। उससे पहले कहा सिक्किम को भारत में मिला लो। मिला लिया। लेकिन आज तो जब चीन घुसपैठ कर लेता है तो हमारे मीडिया वाले यह कहते हैं कि यह सेना की गलती है। सेना की गलती बताकर वे किसे खुश कर रहे हैं पता नहीं मगर सेना का मनोबल जरूर गिरा रहे हैं। आज से पहले कभी मीडिया सरकार को खुश करने के लिए सेना के विरोध में नहीं बोली। मगर आज तो वह किसी इंस्टीट्यूशन का सम्मान करने को तैयार नहीं। खुद अपनी पत्रकारिता का भी। एक और केवल एक ही उसका उद्देश्य है कि किसी को खुश करना। लेकिन उसे यह नहीं मालूम कि जिसे खुश करने की यह सारी कवायद की जा रही उसे जिस दिन लगा कि मीडिया की वजह से ही यह नुकसान हो रहा है तो वह मीडिया को उठाकर ऐसे फेंकेंगे कि जैसा कभी उसने सोचा भी नहीं होगा। अभी हाल में जो पेट्रोल, डीजल के भाव में थोड़ी सी कमी करके सरकार को पीछे हटना पड़ा तो उसकी एक प्रमुख वजह यह भी थी कि मीडिया लगातार उन्हें ऐसा इम्प्रेशन दे रहा था कि रोज रेट बढ़ाने से जनता को मजा आ रहा है। जनता का अच्छा मनोरंजन होता है। वह शर्तें लगाती है कि कि कल कितना बढ़ेगा। मीडिया यह भी खबरें चलाता था कि राष्ट्रहित में ज्यादा पैसा देकर जनता गौरवान्वित महसूस कर रही है। हर आदमी यह सोच रहा है कि सबसे पहले लंगोट भी उतारकर देने का मौका उसे मिले ताकि वह दूसरों से बड़ा भक्त कहला सके। मीडिया हर चीज का महिमामंडन कर सकती है। नंगा आदमी उसे देश के लिए त्याग करते दिख रहा था। अभी देश छोड़कर बाहर भागने को भी राष्ट्रहित से जोड़ने की कोशिश कर रही है। कई कहानियां बनाई जाएंगी कि देशहित में कैसे देश छोड़ दिया। नहीं तो देश ने उन पर अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था। किसानों की जमीन भी उन्हें दिए जाने की तैयारी थी कि उनके मन में अचानक वैराग्य आ गया।

कुंवर नारायणः वक़्त बुरा हो तो आदमी आदमी नहीं रह पाता

दरअसल मैं वह आदमी
नहीं हूँ जिसे आपने
ज़मीन पर छटपटाते हुए
देखा था।
आपने मुझे भागते हुए देखा
होगा
दर्द से हमदर्द की ओर।
वक़्त बुरा हो तो आदमी
आदमी नहीं रह पाता। वह
भी
मेरी ही और आपकी तरह
आदमी रहा होगा। लेकिन
आपको यक़ीन दिलाता हूँ
वह मेरा कोई नहीं था,
जिसे आपने भी
अँधेरे में मदद के लिए
चिल्ला-चिल्लाकर
दम तोड़ते सुना था।
शायद उसी मुश्किल वक़्त
में
जब मैं एक डरे हुए जानवर
की तरह
उसे अकेला छोड़कर बच
निकला था ख़तरे से सुरक्षा
की ओर,
वह एक फँसे हुए जानवर
की तरह
खूँख़ार हो गया था।

फिटिंग के कपड़े पहन करीना कपूर ने दिखाए अपने ऐब्स, तो ननद से मिला ऐसा रिएक्शन

नवाबी खानदान की बहू और बीटाउन की सुपरस्टार करीना कपूर खान अपने लुक्स से अक्सर फैन्स को क्लीन बोल्ड करती दिखाई देती हैं। इस बार भी मामला कुछ अलग नहीं रहा। ग्लैमरस हसीना ने इंस्टाग्राम पर फोटोशूट से जुड़ी ऐसी तस्वीरें शेयर कीं, जिन पर फैन्स तो फैन्स बल्कि उनकी ननद सबा अली खान तक रिएक्ट करने से खुद को बिल्कुल भी रोक न सकीं और सोशल मीडिया पर ही अपनी फीलिंग्स जाहिर कर दीं। करीना ने अपने इंस्टा पेज पर लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा कीं। इनमें उन्हें लाल रंग के कपड़ों में देखा जा सकता है। बेबो ने प्रिंटिड ट्रेनिंग स्लिम टाइट लेगिंग्स पहनी थी। इस स्नग फिटिंग बॉटम्स को पॉलिएस्टर और इलास्टेन मिक्स्ड फैब्रिक से तैयार किया गया था। इसके साथ मैचिंग की स्पोर्ट्स ब्रा थी, जो स्लीवलेस होते हुए भी फुल कवरेज व सपोर्ट दे रही थी। इन कपड़ों में बेबो अपने फिट मिड्रिफको फ्लॉन्ट करती नजर आई।

ननद ने दिया ये रिएक्शन

बेबो ने इन कपड़ों के साथ पूमा के वाइट स्नीकर्स मैच किए थे, जो काफी कूल नजर आ रहे थे। इस पर ब्रैंड का रेड लोगो भी देखा जा सकता था। उनके बालों को मेसी लुक दिया गया था, तो वहीं उनका मेकअप नैचरल टोन का रखा गया था। ये कपड़े उन पर इतने जंच रहे थे कि उनकी ननद तक इस पर 'ङ्खह्ङ्ख' रिएक्शन देने से खुद को रोक न सकीं। वहीं फैन्स ने भी कॉमेंट्स बॉक्स में अदाकारा की जमकर तारीफकी।

बांधनी प्रिंट के सूट में खूबसूरत बेबो

वैसे पिछले कुछ दिनों में बेबो अपनी कई खूबसूरत लुक्स की तस्वीरें फैन्स के साथ शेयर करती नजर आई हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी दोस्तों और भांजी के साथ की पिक्स सोशल मीडिया पर डाली थीं। इनमें उन्हें बांधनी प्रिंट के लॉन्ग सिल्क मेड कुर्ते और पजामा में देखा गया था। इस पर सुनहरी बॉर्डर लगाई गई थी। करीना ने अपने लुक को स्टेटमेंट ईयररिंग्स, खुले बाल और आंखों में काजल व माथे पर बिंदी लगाकर राउंड ऑफकिया था।

गुलाबी साड़ी में स्टनिंग लुक

इससे पहले करीना कपूर ने थ्रोबैक फोटो शेयर करते हुए सोहा अली खान को बर्थडे विश किया था। अपनी ननद की शादी के दौरान की इस पिक में बेबो को पिंक शेड की शीयर साड़ी पहने देखा जा सकता है, जिसकी बॉर्डर को पर्ल वर्क से सजाया गया था। ट्रडिशनल लुक को उन्होंने डायमंड और एम्रल्ड की स्टनिंग जूलरी के साथ पेयर किया था। इस लुक को भले ही कई साल बीत गए हों, लेकिन आज भी इसे बेबो के बेस्ट साड़ी लुक्स में से एक माना जाता है।

पंजाबी कुड़ी की तरह सलवार-सूट पहन और दुपट्टे में गांठ लगाकर खूब नाचीं प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भले ही निक जोनस के साथ शादी करके विदेश में अपना घर बसा चुकी हों, लेकिन इसके बाद भी वह भारत और भारतीय संस्कृति को कभी नहीं भूलतीं। विदेश में रहने के बावजूद हिन्दुस्तान को अपने दिल में बसाए रखने वाली प्रियंका न केवल करवा चौथ से लेकर होली-दिवाली जैसे त्योहारों का जमकर लुत्फ उठाती हैं बल्कि ट्रेडिशनल इंडियन ऑउटफिट्स में सजती-संवरती भी हैं। यही एक वजह भी है कि जब भी प्रियंका बोल्ड रिस्की चॉइस को छोड़ अपने देसी लुक्स में कंफर्ट एंड बोल्डनेस ब्लेंड करती नजर आती हैं, तो उन पर से नजरें हटाना मुश्किल हो जाता है। अदाकारा का बिल्कुल ऐसा ही एक लुक फिर देखने को मिला है, जहां सात समंदर पार दोस्त की पार्टी में शामिल होने के लिए पीसी ने इतने खूबसूरत कपड़े सिलेक्ट किए थे, जिसमें उनका पर्सनल चार्म एंड एलिगेंस साफ झलक रहा था।

लिली सिंह ने रखी थी पार्टी

दरअसल, अपने एलए वाले घर पर दिवाली की पूजा करने के बाद प्रियंका चोपड़ा कैनेडियन कॉमेडियन लिली सिंह के यहां दिवाली सेलिब्रेट करने के लिए पहुंची थीं, जिसके लिए अदाकारा ने लीग से हटकर कपड़े अपने लिए चुने थे। इस स्टार स्टड्स पार्टी के लिए प्रियंका ने इंडियन फेमस फैशन डिज़ाइनर सब्यसाची का डिज़ाइन किया हुआ रेड कलर का थ्री पीस सेपरेट्स सेट्स वेअर किया था, जिसमें फ्लेयर्ड पैंट के साथ शॉर्ट लेंथ वाला कुर्ता और मैचिंग का दुपट्टा शामिल था।

सूट-सलवार में किलर लगीं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा ने जो लाल रंग का ब्यूटीफुल सेट पहना था, उसे पूरी तरह वेलवेट फैब्रिक में बनाया गया था। ऑउटफिट का पैटर्न प्रिंट ऑन प्रिंट में रखा था, जिसमें किसी तरह की कोई हेवी एम्ब्रोइडरी नहीं थी। सबसे पहले बात करें प्रियंका के कुर्ते की तो इसमें डीप प्लंजिंग नेकलाइन बनी थी, जिसके साथ स्लीव्स को कटआउट लुक दिया था। कुर्ते की लेंथ अपर थाई पोर्शन तक थी, जिसकी फिटिंग को शानदार रखते हुए ए-लाइन लुक दिया गया था। वहीं कुर्ते की हेमलाइन में क्रॉपर कलर के ग्लास बीड्स वाले ट्रैसल्स लगे थे, जो पूरे ऑउटफिट को अट्रैक्टिव बनाते हुए ओवरऑल लुक के स्टाइल कोशंट को जबरदस्त तरीके से बढ़ा रहे थे। वहीं इसके साथ पीसी ने स्ट्रेट कट पैंट्स की जगह आजकल ट्रेंड में चल रही मैचिंग की फ्लेयर्ड पैंट्स चुनी थी, जिसके साथ मैचिंग का दुपट्टा कंधे के एक साइड डाला था।

यूं किया लुक को कम्पलीट

इस कस्टम फिट ऑउटफिट में प्रियंका का फिगर तो कमाल लग ही रहा था बल्कि इसमें वह अपने कर्व्स को भी कॉन्फिडेंटली फ्लॉन्ट करती नजर आ रही थीं। स्टाइल की हाइलाइट आउटफिट की स्टीचिंग थी, जो ओल्ड लुक क्रिएट करते हुए उन्हें खूबसूरत दिखाने में कोई कमी नहीं कर रही थी। अपने लुक को सुपर ग्लैमरस बनाने के लिए प्रियंका चोपड़ा ने फेस पर डुई न्यूड-टोन मेकअप किया गया था, जिसके साथ उन्होंने गले में पन्ना से बना सिंगल चेन वाला हेवी पेंडेंट डाला हुआ था। अदाकारा ने अपने बालों को मिडिल पार्ट में स्टाइल करते हुए खुला छोड़ा था, जिसके साथ पीसी ने बोल्ड लिप कलर लगाया था। वहीं उन्होंने अपनी आईज को ड्रामैटिक टच दिया था, जिसके साथ एक हाथ में स्लिवर कलर की बैंगल्स डाली थीं। कमर पर से कटी ड्रेस में प्रियंका चोपड़ा को देख जब निक जोनस ने लाइव कॉन्सर्ट में किया किस, नजरें झुकाएं हसीना शर्म से हो गई लाल

निक को भूलकर जमकर नाचीं प्रियंका

इस पार्टी की कुछ तस्वीरें लिली सिंह ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी शेयर की थीं, जिसमें प्रियंका इंडियन गानों पर भांगड़ा करती दिख रही थीं। हालांकि, प्रियंका ने डांस करने से पहले अपने दुपट्टे को एक साइड बांध लिया था, जिसमें उनकी सुराहीदार गर्दन और कॉलर बोन परफेक्टली फ्लॉन्ट हो रही थी। वहीं उन्होंने अपने इस ऑउटफिट के साथ बड़ा सा चश्मा भी लगाया हुआ था, जो उनके फेस पर काफी सूट कर रहा था। खैर, प्रियंका चोपड़ा जोनस का यह लुक ऐसा था, जिसमें न केवल कमी ढूंढ पाना नामुमकिन था बल्कि उनके पति निक जोनस भी उनकी तारीफकरते नहीं थक रहे थे।

चिकनकारी का लहंगा पहन सबका ध्यान बटोर ले गईं नव्या नवेली

नव्या नवेली नंदा यानी बीटाउन के शहंशाह अमिताभ बच्चन की नातिन ने बॉलीवुड से दूर रहने का फैसला किया है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि वह सुर्खियों का हिस्सा नहीं बनतीं। इनमें से ज्यादातर तो उनके खूबसूरत लुक्स के कारण होती हैं और दिवाली का त्योहार भी इससे अछूता न रहा। नव्या ने इंस्टाग्राम पर अपने फेस्टिव लुक की इतनी ब्यूटीफुल पिक्स शेयर कीं कि उनके आगे तो प्रियंका चोपड़ा का सेक्सी चोली लुक भी कम पड़ जाए।

गुलाबी रंग के प्यारे से लहंगे में प्यारी नव्या

इंस्टाग्राम पर शेयर्ड पिक में नव्या को हल्के गुलाबी रंग का लहंगा पहने देखा जा सकता है। इसमें नीचे की ओर घेरदार स्कर्ट थी, लेकिन उसमें ज्यादा फ्लेयर नहीं रखा गया था। इसके साथ ऊपर मैचिंग का ब्लाउज था, जिसमें लो वी-कट नेकलाइन देखी जा सकती थी। वहीं स्लीव्स को डीसेंट लुक का रखते हुए उसे हाफ स्लीव्स रखा गया था। लहंगे के साथ का दुपट्टा भी इसी से मैच करता हुआ था।

सादगी और एलिगेंस का कॉम्बो

इस थ्री-पीस सेट पर बेहद सुंदर सिल्वर रंग की कढ़ाई की गई थी, साथ में सफेद रंग का चिकनकारी वर्क उसे और स्टनिंग लुक दे रहा था। एलिगेंस और सिंप्लिसिटी पसंद इस बाला ने अपने मेकअप को न्यूड टोन का रखा था। उन्होंने गले में रूबी और हीरे से बना नेकलेस पहना था, वहीं कान में इससे मैच करते ईयररिंग्स थे। हाथों में नव्या ने चूड़ियां डाली हुई थीं। वहीं उनकी मुस्कान लुक में और स्वीटनेस व ब्यूटी ऐड कर रही थी।

प्रियंका ने घर पर मनाई पहली दिवाली

वहीं दूसरी ओर प्रियंका चोपड़ा ने अपने एलए स्थित घर पर पहली बार पति निक जोनस संग दिवाली का त्योहार मनाया। इस स्पेशल मौके को और खास बनाने के लिए उन्होंने फाल्गुनी शेन पीकॉक से अपने लिए लहंगा तैयार करवाया था। सफेद रंग के कस्टम लहंगे पर ऊपर शीयर मटीरियल का यूज किया गया था और अंदर न्यूड टोन लाइनिंग का इस्तेमाल हुआ था। इन कपड़ों पर बेहद खूबसूरत एम्ब्रॉइडरी की गई थी।

देसी गर्ल का ब्यूटीफुल लुक

प्रियंका का ब्लाउज लो-कट नेकलाइन का था और उसमें वेस्ट पर स्ट्रैप ऐड करते हुए कट-आउट लुक दिया गया था। इसकी नेट का दुपट्टा भी कढ़ाईदार था। अदाकारा ने बालों को मिडिल पार्ट कर स्टाइल किया था और उन्हें फूलों से सजाया था। उन्होंने कान में लाइटवेट ईयररिंग्स और हाथ में रूबी रिंग पहनी थी। इस देसी लुक में वह ब्यूटीफुल लग रही थीं।

सुंदर फोटो खिंचवाने के लिए अपनाएं सिलेब्रिटी सीक्रेट

मलाइका अरोड़ा की फोटोज 48 साल की उम्र में भी इतनी खूबसूरत आती हैं कि यंग गर्ल्स भी हैरान रह जाती हैं। यदि आप चाहती हैं कि आपका फोटो शूट भी बेहद शानदार हो तो मलाइका की ये टिप्स आपके बहुत काम आएंगी। शानदार फोटो क्लिक कराना हम सभी को पसंद होता है। खासतौर पर लड़कियां तो हमेशा अपनी पिक्चर को पर्फेक्ट देखना चाहती हैं। मनपसंद फोटो पाना अब आपके लिए हमेशा संभव हो पाएगा क्योंकि यहां आपको उन सीक्रेट्से के बारे में पता चलेगा, जिन्हें मलाइका अरोड़ा फॉलो करती हैं। कोई मलाइका का प्रशंसक हो या फिर आलोचक, इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि इनका फोटो शूट हमेशा ऑसम होता है। तो आइए, मलाइका के मेकअप रूप सीक्रेट्स से जानते हैं कि खूबसूरत फोटो खिंचवाने के लिए आपको किन टिप्स को अपनाना है।

मलाइका के मेकअप की शुरुआत

मलाइका अपनी स्किन को मेकअप रेडी लुक देने के लिए आंखों से शुरुआत करती हैं। आप भी इनकी तरह सबसे पहले आंखों के नीचे मॉइश्चराइजर लगाएं और फिर इसे स्किन पर धीरे-धीरे अप्लाई करें। ताकि त्वचा इसे सोख भी ले और रेडनेस भी ना आए। इसके बाद जेड रोलर का उपयोग करते हुए अपनी आंखों के निचले हिस्से को सॉफ्ट तरीके से लेकिन जल्दी-जल्दी मसाज करें।

पूरी स्किन दिखेगी एक टोन में

चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाते समय गर्दन को ना भूलें। अपनी नेक पर भी इसे अच्छी तरह लगाएं।

अब जेड रोलर का उपयोग करते हुए अपवर्ड मसाज करें। यानी रोलर को गालों पर नीचे से ऊपर की तरफले जाएं।

गालों पर जेड रोलर का उपयोग करते हुए एक तरफ की स्किन को उंगलियों की मदद से होल्ड करें और फिर मसाज करें।

पर्फेक्ट फोटो शूट के लिए

अब लिप बाम लगाएं। पर्फेक्ट स्किन बेस के साथ आपकी स्किन तैयार हैं। क्योंकि इस मसाज से आपकी स्किन नैचरली ग्लो करने लगती है। अब आप मेकअप अप्लाई कर सकती हैं।

तालिबान का फरमानः आतंकी संगठन ने कहा- टैक्सी ड्राइवर्स किसी हथियारबंद व्यक्ति को न बिठाएं

तालिबान के बंदूकधारियों पर रोक नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल/हेरात।
15 अगस्त से अफग़ानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने नांगरहार राज्य के टैक्सी ड्राइवर्स को नया आदेश दिया है। तालिबान ने इन टैक्सी चालकों से कहा- किसी भी हथियारबंद व्यक्ति को टैक्सी में न बिठाएं। खास बात यह है कि तालिबान या उससे जुड़े किसी संगठन पर यह आदेश लागू नहीं होगा, यानी तालिबानी या उनके सहयोगी हथियार लेकर किसी भी टैक्सी में बैठ सकेंगे। माना जा रहा है कि यह आदेश आईएसआईएस के आतंकियों पर रोक लगाने के इरादे से जारी किया गया है। इस राज्य को आईएस का गढ़ माना जाता है और यहां तालिबान और आईएस के बीच आए दिन खूनी जंग हो रही है।

सुरक्षा के लिहाज से उठाया गया कदम

नांगरहार में तालिबान के ऑफिस की तरफ से जारी बयान में कहा गया- राज्य में सुरक्षा को और सख्त किए जाने की जरूरत है। लिहाजा, टैक्सी चालकों को यह आदेश दिया जाता है कि वे किसी भी हथियारबंद व्यक्ति को अपनी गाड़ी में न बैठने दें। अगर वो व्यक्ति तालिबान या उसके किसी संगठन का है तो उसे जरूर बैठने दें। टैक्सी चालकों से ये भी कहा गया है कि अगर वे किसी संदिग्ध व्यक्ति को देखते हैं, या किसी गैर तालिबानी को हथियारों के साथ देखते हैं तो इसकी सूचना पास के किसी तालिबानी पोस्ट या सुरक्षाकर्मी को जरूर दें।

क्या है मकसद

नांगरहार में लंबे वक्त से ISIS-K यानी इस्लामिक स्टेट ऑफखुरासान ग्रुप का प्रभाव रहा है। तालिबान और ISIS-K के बीच कट्टर दुश्मनी है। हाल के दिनों में ISIS-K ने तालिबान के कई ठिकानों और देश के दूसरे हिस्सों में हमले किए हैं। इसके बाद से तालिबान ने नांगरहार में इस ग्रुप के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया है। सर्दियों में यह टकराव और ज्यादा तेज होने के आसार हैं।

क्या है ISIS-K?

ISIS-K का नाम उत्तरपूर्वी ईरान, दक्षिणी तुर्कमेनिस्तान और उत्तरी अफग़ानिस्तान में आने वाले क्षेत्र के नाम पर रखा गया है। यह संगठन सबसे पहले 2014 में पूर्वी अफग़ानिस्तान में सक्रिय हुआ। यहां से इसने बेरहमी और क्रूरता की पहचान बनाई।

कहां हुई ISIS-K की शुरुआत?

पाकिस्तान के सैकड़ों तालिबानी इस संगठन के साथ जुड़े और चरमपंथी हमलों को अंजाम दिया। जब सेना की मदद से इन्हें निकाला गया तो ये अफग़ानिस्तान की सीमा पर आ गए और फिर यहीं से ऑपरेट करने लगे। ताकत इसलिए बढ़ती गई, क्योंकि तालिबान पश्चिमी देशों और सोच के प्रति नरम होता गया। ऐसे में तालिबान के असंतुष्ट लड़ाके ISIS-K में जाने लगे। अमेरिकी खुफिया एजेंसी के अधिकारियों के मुताबिक, ISIS-K में सीरिया और दूसरे विदेशी चरमपंथी संगठनों के कुछ आतंकी भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने अफग़ानिस्तान में इस समूह के 10 से 15 प्रमुख आतंकियों की पहचान की है। ISIS-K में अफग़ानियों समेत दूसरे आतंकी समूहों से पाकिस्तानी और उज्बेकिस्तान के आतंकी शामिल हैं।

बीजिंग में फिर जिनपिंग सरकार:चीन में तीसरी बार शी जिनपिंग के शासन पर मुहर लगाने के लिए आज से कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बीजिंग
चीन की कम्युनिस्ट पार्टी आज से तीन दिन की बैठक करने वाली है, जिसमें मौजूदा राष्ट्रपति शी जिनपिंग को तीसरी बार सत्ता में लाने पर मुहर लगाई जाएगी। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 19वीं सेंट्रल कमेटी देश के 100 सालों के संघर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियों और ऐतिहासिक अनुभवों के आधारित एक रिजोल्यूशन का रिव्यू करेगी और उम्मीद है कि उसे तुरंत पारित कर दिया जाएगा। 1921 में कम्युनिस्ट पार्टी के बनने के बाद से यह तीसरी बार है जब इस तरह का रिजॉल्यूशन तैयार किया गया है। पहला रिजॉल्यूशन माओ जेडॉन्ग के नेतृत्व में 1945 में और दूसरा डेंग शियाओपिंग के नेतृत्व में 1981 में बनाया गया था। इस बैठक में कम्युनिस्ट पार्टी की सेंट्रल कमेटी के 300 से ज्यादा सदस्यों के भाग लेने की उम्मीद है।

चीन के लिए बड़े लक्ष्य रखे हैं जिनपिंग ने

चीनी मीडिया के मुताबिक, जब 2012 में शी जिनपिंग ने सत्ता संभाली थी तो उन्होंने दो लक्ष्य रखे थे। एक यह कि 2021 में कम्युनिस्ट पार्टी के गठन के 100 साल पूरे होने तक चीन को समृद्ध बनाना और 2049 तक चीन को अत्याधुनिक सोशियलिस्ट सोयायटी बनाना। 2049 में माओ के पीपुल्स रिपब्लिक ऑफचाइना के गठन करने के 100 साल पूरे होंगे।

बिहार के डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद ने बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के साथ पटना में छठ पूजा उत्सव के दौरान महिलाओं को पूजा सामग्री वितरित की।

लोकतंत्र पर अमेरिकी सम्मेलन में मोदी को न्योते पर आपत्ति

नई दिल्ली। अमेरिका में लोकतंत्र पर अपनी तरह का पहला वैश्विक सम्मेलन हो रहा है. लेकिन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने भारत के नरेंद्र मोदी सहित ऐसे नेताओं को बुलाने पर आपत्ति जताई है जिनका रिकॉर्ड संदिग्ध है.अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन समिट फॉर डेमोक्रेसी के नाम से आयोजित सम्मेलन में भाषण देने के लिए तैयारी कर रहे हैं. सौ से ज्यादा देशों का यह अपनी तरह का पहला सम्मेलन है जिसमें दुनियाभर में लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवाधिकारों के हनन पर बात होनी है. लेकिन बहुत से मानवाधिकार कार्यकर्ता इस सम्मेलन को इसलिए शक की निगाह से देख रहे हैं कि कुछ ऐसे नेताओं को इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए बुलाया गया है जिनका अपना रिकॉर्ड संदिग्ध है. मानवाधिकारों और लोकतंत्र के क्षेत्र में काम करने वाली गैर सरकारी संस्था फ्रीडम हाउस में वाइस प्रेजीडेंट ऐनी बोयाजियान कहती हैं कि बिना लोकतांत्रिक प्रतिबद्धताओं को इस तरह का सम्मेलन अर्थहीन है. उन्होंने कहा, अगर इस सम्मेलन को एक और बैठक से ज्यादा कुछ होना है तो फिर अमेरिका समेत सारे प्रतिभागियों को आने वाले साल में लोकतंत्र और मानवाधिकारों को लेकर अर्थपूर्ण प्रतिबद्धताएं निभानी होंगी. खंडहरों पर पेंटिंग 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' दिसंबर के दूसरे हफ्ते में होनी है. अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यह सम्मेलन लोकतंत्र पर एक लंबी चर्चा की शुरुआत मात्र है और आगामी सम्मेलनों में शामिल होना चाहने वाले देशों को सुधारों के वादे निभाने होंगे.

न्यूज ब्रीफ

ग्लासगो में भारत का डंका, कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता में डेडलाइन से पहले ही आई बड़ी गिरावट

ग्लासगो। यहां चल रही जलवायु वार्ता के दौरान भारत ने कार्बन उत्सर्जन को लेकर अपनी द्विवार्षिक रिपोर्ट पेश की है। इसमें कहा है कि 2005-2014 के बीच उसने उत्सर्जन तीव्रता को 24 फीसदी तक कम करने में सफलता हासिल की है। भारत का यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत में विश्व की 17 फीसदी आबादी रहती है और वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में उसकी हिस्सेदारी महज पांच फीसदी की है। इसके बावजूद वह तेजी से लक्ष्यों को हासिल करने की ओर बढ़ रहा है। यहां एक कार्यक्रम में भारत की तरफ से यह रिपोर्ट पेश की गई और उसके बाद पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जे. आर. भट्ट ने कहा कि 2005-14 के बीच भारत ने अपने सकल घरेलू उत्पादन के हवाले से उत्सर्जन सघनता में 24 फीसदी की कटौती की उपलब्धि हासिल की है। इतना ही नहीं भारत ने अपने सौर ऊर्जा कार्यक्रम में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी की है। स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता में पिछले सात सालों में 17 गुना की बढ़ोत्तरी हुई है। यह दर्शाता है कि भारत पेरिस समझौते के तहत किए गए अपने लक्ष्यों पर सही दिशा में कार्य कर रहा है। इसमें उसने 2030 तक ऊर्जा सघनता को 33-35 फीसदी कम करने की घोषणा की थी। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लास्गो जलवायु वार्ता के दौरान इस लक्ष्य को बढ़ाकर 50 फीसदी करने का ऐलान किया है। यह रिपोर्ट दर्शाती है कि इस लक्ष्य को भारत तय समय में हासिल कर लेगा। क्योंकि 2015 के बाद जलवायु से जुड़े कार्यों में भारत ने पहले की तुलना में कई गुना की तेजी दिखाई है। बता दें कि भारत ने इसी वर्ष फरवरी में इस रिपोर्ट को यूएनएफसीसी को भी सौंप दिया था। भट्ट ने कहा कि भारत जलवायु खतरों को लेकर सर्वाधिक जोखिमपूर्ण स्थिति में होने के बावजूद इसे कम करने के प्रयासों में जुटा है। इसके लिए तमाम कार्रवाई कर रहा है।

लंदन के लिए उड़ान भरने के लिए आईजीआई हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर अपने परिवार और दोस्तों के साथ एक यात्री। अमेरिका के लिए उड़ानें 8 नवंबर से पूरी तरह से टीका लगाए गए यात्रियों के लिए सेवाएं फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं।

पद और वेतन के मामले में जर्मनी में महिलाएं पुरुषों से आगे

डॉयचे वेले। जर्मनी में बड़ी कंपनियों के निदेशक मंडल में महिलाओं का वेतन पुरुषों की तुलना में अधिक है. भले ही उनकी संख्या अभी भी पुरुषों की तुलना में कम है, फिर भी लैंगिक समानता हासिल करना अभी बहुत दूर है.जर्मनी में व्यापार सलाहकारों और लेखा परीक्षकों के एक समूह ईवाई ने हाल ही में एक सर्वेक्षण किया जिसमें पाया गया कि शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों के कार्यकारी बोर्ड में महिलाएं वेतन वृद्धि के मामले में पुरुषों से आगे हैं. छ्ङ्क कंपनियों की महिला बोर्ड सदस्यों के वेतन में पिछले साल औसतन 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई. यह लगभग 2. 31 मिलियन यूरो है. महिलाओं को वरीयता दूसरी ओर कार्यकारी बोर्ड के पुरुष सदस्यों के वेतन में 2020 में औसतन 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका मूल्य लगभग 1.76 मिलियन यूरो है. पुरुषों और महिलाओं की आय में वृद्धि दर या अंतर 31 प्रतिशत है. सर्वे ग्रुप ईवाई के पार्टनर येंस मासमैन के मुताबिक, पुरुषों के कार्यकारी बोर्ड में महिलाओं का अनुपात पहले की तुलना में काफी कम है. लेकिन यह धीरे-धीरे बेहतर हो रहा है. वहीं वेतन के मामले में महिला अधिकारी बेहतर स्थिति में हैं इस स्थिति में सुधार का एक प्रमुख कारण वरिष्ठ पदों पर महिलाओं को वरीयता देने वाली कंपनियों की नीति है.

ISIS पर प्रहार करने की तैयारी? तालिबान बनाएगा अपनी खुद की वायुसेना

नई दिल्ली। इस्लामिक स्टेट के आतंक से तंग तालिबान अब अपनी वायुसेना बनाएगा। काबुल की सत्ता पर काबिज होने के तकरीबन दो महीने बाद तालिबान ने अपनी खुद की वायुसेना को मजबूत करने का इरादा व्यक्त किया है। केन्यूज ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। काबुल के मुख्य सैन्य अस्पताल सरदार दाऊद खान पर मंगलवार को संदिग्ध आईएसआईएस-के ने हमला किया था। इसमें 23 लोगों की मरने की बात कहीं जा रही हैं। हमले के बाद तालिबान ने अस्पताल की छत पर अमेरिका ब्लैक हॉक सहित तालिबान के तीन हेलीकॉप्टरों तैनात किया था।

एलन का ट्विटर पोलः एलन मस्क ने टेस्ला के डेढ़ लाख करोड़ रुपए के शेयर बेचने पर राय मांगी, 60प्रतिशत लोगों ने कहा- बेच दीजिए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने शनिवार को ट्विटर पर एक पोल शुरू किया है। इस पोल में एलन मस्क ने लिखा है कि वे टेस्ला के 10प्रतिशत शेयर बेचना चाहते हैं। उन्होंने लोगों से पूछा है कि क्या वे इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। मस्क ने पहले भी कहा था कि वह इस साल की चौथी तिमाही तक टेस्ला में अपनी हिस्सेदारी कम करने पर विचार कर रहे हैं। इस बारे में उन्होंने तीन ट्वीट और किए। अगले ट्वीट में मस्क ने लिखा कि मैं इस पोल के रिजल्ट मानूंगा, चाहे वह जो भी हो। उन्होंने लिखा कि मैं कहीं से कैश सैलरी या बोनस नहीं लेता हूं। मेरे पास केवल स्टॉक हैं। इस तरह मेरे लिए निजी तौर पर टैक्स का भुगतान करने का इकलौता तरीका स्टॉक बेचना है। मस्क के ट्वीट पर 35 लाख से ज्यादा लोगों ने वोट दिया। इनमें से 59.6प्रतिशत लोगों ने 'हां' में जवाब दिया है। वहीं 42.1प्रतिशत लोगों ने शेयर नहीं बेचने की बात कही है। माना जा रहा है कि मस्क ने यह बात अमेरिका के प्रस्तावित बिलिनियर टैक्स के जवाब में कही है। बिलिनियर टैक्स राष्ट्रपति बाइडेन की पार्टी के सांसदों की योजना है। अगर इसे मंजूरी मिलती है तो अमेरिका के अरबपतियों को ज्यादा टैक्स चुकाना पड़ेगा। इससे लगभग 700 अरबपति प्रभावित होंगे। दुनिया का सबसे अमीर शख्स होने के नाते एलन मस्क के लिए तो यह रकम काफी बड़ी होगी। एलन मस्क के पास टेस्ला के 200 अरब डॉलर कीमत के शेयर हैं। रॉयटर के कैलकुलेशन के अनुसार यदि मस्क टेस्ला में अपनी 10प्रतिशत हिस्सेदारी बेच देते हैं तो इसकी वैल्यू लगभग 21 बिलियन डॉलर (डेढ़ लाख करोड़ रुपए से ज्यादा) हो सकती है। दिलचस्प बात यह है कि टेस्ला के स्टॉक्स ने बीते गुरुवार को 74प्रतिशत की छलांग लगाई है। सितंबर में कोड कॉन्फ्रेंस में एलन मस्क ने कहा था कि टेस्ला इंक में उनका स्टॉक ऑप्शन एक्सपायर होने वाला है। इसके लिए उन्हें सरकार को 50प्रतिशत से ज्यादा का टैक्स चुकाना पड़ सकता है।

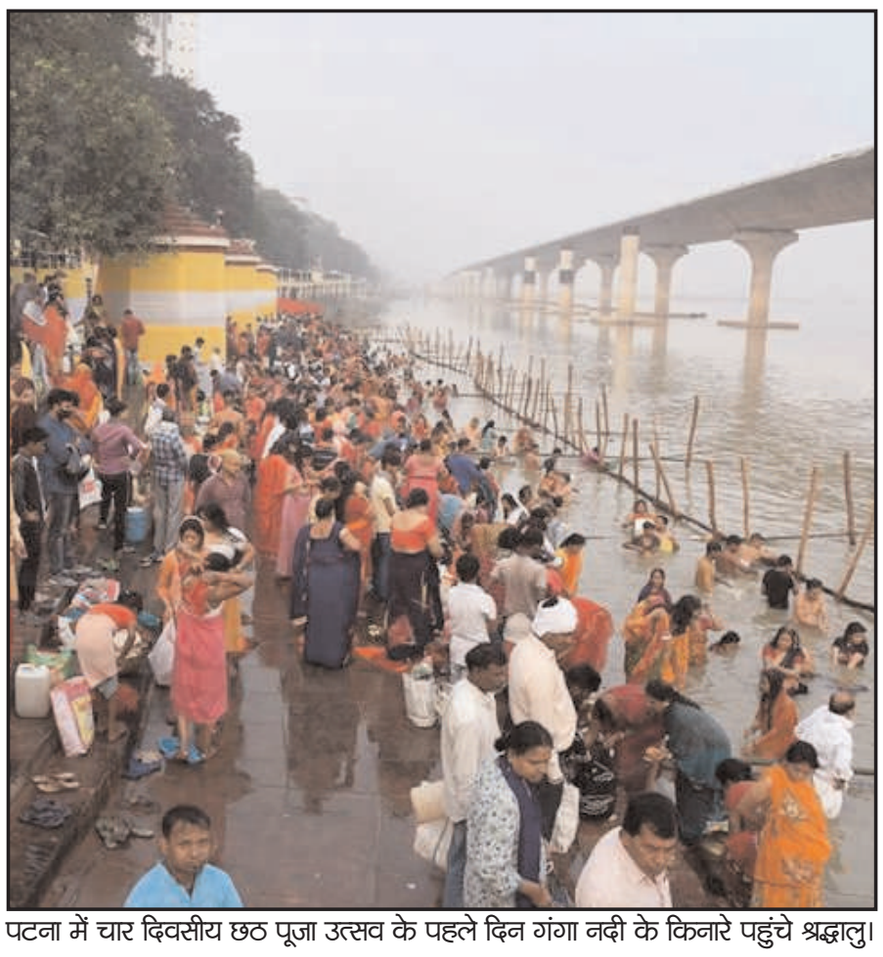

पटना में चार दिवसीय छठ पूजा उत्सव के पहले दिन गंगा नदी के किनारे पहुंचे श्रद्धालु।

न्यूज ब्रीफ

रोहित और द्रविड़ बहुत जल्द भारत को आईसीसी टूर्नामेंट जीताएंगे : गौतम गंभीर

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने उम्मीद जताई कि टीम इंडिया रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ के संरक्षण में आईसीसी टूर्नामेंटों में अपना भाग्य बदल सकती है। टीम इंडिया ने एमएस धोनी की कप्तानी में तीन आईसीसी ट्रॉफियां 2007 टी20 विश्व कप, 2011 50 ओवर का विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीती। लेकिन इसके बाद से भारत ने कोई आईसीसी खिताब अपने नाम नहीं किया है। गंभीर ने एक स्पोर्ट्स चैनल पर कहा, मुझे उम्मीद है कि रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ भारतीय क्रिकेट को इस प्रारूप में आगे ले जाएंगे और जल्द ही इंग्लैंड की तर्ज पर आईसीसी टूर्नामेंट जीतेंगे। इस महीने की शुरुआत में द्रविड़ को भारत का कोच नियुक्त किया गया था और उनका काम न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू होना तय है। शास्त्री 2017 से भारतीय टीम के मुख्य कोच हैं और उनका कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद समाप्त होगा। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद मेन इन ब्लू पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। सोमवार 8 नवंबर को नामीबिया के खिलाफ उनका आखिरी होगा। भारत ने अफगानिस्तान और स्कॉटलैंड को काफी व्यापक तरीके से हराने का प्रबंधन किया, लेकिन रविवार को न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 8 विकेट से हराकर भारत की सेमीफाइनल की संभावना समाप्त कर दी।

टैनिस प्लेयर पेंग शुआई ने लगाया चीनी लीडर पर यौन शोषण का आरोप

बीजिंग। टैनिस खिलाड़ी पेंग शुआई ने चीन के एक पूर्व उप प्रधानमंत्री पर जब्री यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया है। पेंग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इसका खुलासा किया हालांकि उन्होंने आधे घंटे के अंदर ही इसे हटा दिया लेकिन लोगों ने इसे तब तक वायरल कर दिया था। पेंग ने पोलित ब्यूरो स्थायी समिति के पूर्व सदस्य झांग गाओली (65) पर यह आरोप लगाया है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि बाद में दोनों के बीच सहमति से संबंध भी बने। पेंग ने इस तरह के सभी आरोपों से साफ इंकार किया है। बीजिंग के मशहूर एडवोकेट टैंग बियाओ ने कहा कि चीन में उच्चाधिकारियों पर शोषण के मामले बहुत कम आते हैं। पेंग ने जिस तरह लिख है, उनका सीधा आरोप है कि संबंध सहमति से नहीं बल्कि जब्री बनाए गए थे। यह बलात्कार है। चीन जहां नेताओं के पास काफी पावर होती है, वहां पेंग द्वारा इस कांड से पर्दा उठाना दर्शाता है कि वह दबना नहीं चाहती, आवाज उठाना चाहती हैं। 2018 में मीटू आंदोलन शुरू होने से पहले तक चीन में यौन उत्पीडऩ के मामले कम आ रहे थे, लेकिन अब धीरे-धीरे मामले बढ़ते जा रहे हैं और नेताओं पर भी आरोप लगने लगे हैं। पेंग ने पोस्ट में लिखा- 10 साल पहले जब मैं 25 साल की थी तब मैं मिस्टर झांग के बुलावे पर उनके घर गई थीं। जिस कमरे में मुझपर अटैक हुआ उसके दरवाजे पर ही झांग की पत्नी भी खड़ी थी।

पाकिस्तान पहुंचा सेमीफाइनल में : बाबर आजम बोले-

पाकिस्तानी टीम आत्मविश्वास से भरी है, सेमीफाइनल में भी यही लय बरकरार रखेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज शारजाह

पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा है कि उनकी टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है और सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए तैयार है। रविवार को टी-20 वर्ल्ड कप के खेले गए आखिरी लीग मैच में पाकिस्तान ने स्कॉटलैंड को 72 रन से हराया। पाकिस्तान अपने ग्रुप में टॉप पर काबिज है। ग्रुप लीग के सभी पांचों मैंचों में जीत दर्ज की। स्कॉटलैंड से जीत के बाद पाकिस्तान कप्तान ने ऑस्ट्रेलिया के साथ उन्होंने वाले सेमीफाइनल को लेकर कहा कि उनकी टीम इसी लय को जारी रखने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा,%हम एक यूनिट की तरह खेल रहे हैं और हर किसी को प्रत्येक खिलाड़ी पर पूरा भरोसा है। हम जिस तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं, उससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। हम जिस लय में हैं, उसे जारी रखते हुए खेलने का प्रयास करेंगे। निश्चित रूप से दुबई सर्वश्रेष्ठ स्टेडियम में से एक है।खिलाड़ी के तौर पर जब आप दर्शकों के सामने खेलते हो जो आपके लिए चीयर करते हैं तो इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है।

स्कॉटलैंड की टीम 117 रन ही बना सकी

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान ने शानदार खेल दिखाया और 4 विकेट के नुकसान पर 189 रनों का स्कोर बनाने में सफल रही। कप्तान बाबर आजम 66 और शोएब मलिक 54* ने फिफ्टी लगाई। 190 रनों के जवाब में स्कॉटलैंड की टीम 20 ओवर बल्लेबाजी करने के बाद 6 विकेट की नुकसान पर सिर्फ 117 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। स्कॉटलैंड ने क्वलिफायर की जंग जीतकर सुपर-12 में जगह बनाई थी, लेकिन टीम दमदार प्रदर्शन को दोहराने में नाकाम रही और लगातार पंच हारे।

मलिक ने खेली तूफानी पारी

पाक की जीत में अहम भूमिका पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने निभाई। मलिक ने दमदार बैटिंग करते हुए सिर्फ 18 गेंदों पर नाबाद 54 रनों की पारी खेली। ञ्च-20ढ्ढ में उनका ये आठवां अर्धशतक रहा। शोएब ने 300 के स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए, जो टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा बढ़िया स्ट्राइक रेट भी रहा। पहला युवराज सिंह 362.50 बनाम इंग्लैंड के नाम पर दर्ज है। साथ ही मलिक (18 गेंद) PAK के लिए इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। शोएब को इस पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला

विराट की गलती : अहम मैच में बैटिंग ऑर्डर बदला

सभी टीमें लेग स्पिनर्स के कारण जीतीं; हमने मौका ही नहीं दिया

PAK ने 10 और NZ ने 8 विकेट से हराया | अफगानिस्तान को 66 रनों से हराया | स्कॉटलैंड को 8 विकेट से हराया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

न्यूजीलैंड की अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के साथ ही टीम इंडिया के सेमीफाइनल में क्वालिफाई करने का सपना सिर्फ एक सपना बनकर ही रह गया। इस मैच में कीवी टीम हारती तो ही भारत टॉप-4 में आगे बढ़ सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने ऐसे फैसले लिए जो समझ के परे थे। आइए उन सभी गलतियों के बारे में आपको बताते हैं।

अहम मैच में बैटिंग ऑर्डर बदला

भारतीय टीम इस वर्ल्ड में सबसे कमजोर प्लानिंग के साथ उतरी टीम नजर आई। पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में रोहित-राहुल ने ओपनिंग की। अगले ही मैच में राहुल और ईशान किशन ओपनिंग के लिए आए। दो अहम मैच में बैंटिग ऑर्डर में बदलाव किसी को समझ नहीं आया। राहुल और ईशान ने इससे पहले कभी एक-साथ पारी की शुरुआत नहीं की थी। विराट टूर्नामेंट में किस क्रम पर खेलेंगे इस बात को लेकर भी असमंजस था। वर्ल्ड कप से ठीक पहले तक विराट ओपनिंग की तैयारी करते रहे। पूरे ढ्ढक्र में वे उन्होंने ओपनिंग की, लेकिन वर्ल्ड कप के पहले मैच में नंबर-3 पर आए और अगले मैच में नंबर-4 पर।

ईश सोढी, आदिल रशीद और जम्पा कमाल करते रहे

टी-20 वर्ल्ड कप 2021 में सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों के पास कमाल के लेग स्पिनर हैं। भारत के खिलाफ पहले मैच में पाकिस्तान के शादाब खान ने 4 ओवर में सिर्फ 22 रन दिए और एक विकेट भी निकाला। वहीं, अगर दूसरे मुकाबले की बात करें तो न्यूजीलैंड के ईश सोढी ने तो भारतीय बल्लेबाजों की कमर तोड़ कर रख दी थी। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 17 रन दिए और 2 विकेट अपने नाम किए। वो भारत के खिलाफ मुकाबले में मैन ऑफ द मैच भी थे।

इनके आलावा अब तक टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा इंग्लैंड के आदिल रशिद और श्रीलंका के हसरंगा ने भी कमाल की गेंदबाजी की है, लेकिन टीम इंडिया ने एक भी मैच में अपने लेग स्पिनर को मौका नहीं दिया। राहुल चाहर पूरे टूर्नामेंट में केवल दर्शक बने रहे। वहीं, पिछले चार साल से टी-20 में टीम इंडिया के सबसे सफल गेंदबाज में से एक रहे युजवेंद्र चहल का तो टी-20 वर्ल्ड कप के लिए चयन भी नहीं किया गया।

एक यूनिट में नजर नहीं आई टीम इंडिया

ढ्ढक्र में भारतीय खिलाड़ी अलग-अलग टीमों का हिस्सा थे। वर्ल्ड कप में ये एक यूनिट की तरह नहीं खेल पाए। टेस्ट क्रिकेट में जिस तरह का तालमेल ये दिखाते रहे हैं उसका 10त्न भी इस टूर्नामेंट में नहीं दिखा सके।

टीम इंडिया की नैया डूबने का सबसे बड़ा कारण

इंटरनेशनल मैचों की जगह आईपीएल को दी तरजीह

मैच: 12 | जीते: 06 हारे: 06

मैच: 21 | जीते: 13 हारे: 05 | NR: 03

» एक साल में पाकिस्तान हमसे दोगुना टी-20 खेला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पाकिस्तान की टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप में शनिवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ लगातार 5वीं जीत दर्ज कर सेमीफाइनल के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया है। पाक टीम 10 अंकों के साथ टेबल टॉपर भी रहा। इसके साथ ही अब बाबर आजम की सेना को वर्ल्ड कप जीतने का प्रबल दावेदार भी माना जा रहा है। वहीं, टीम इंडिया की बात करें तो न्यूजीलैंड की अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के साथ ही भारत के सेमीफाइनल में क्वालिफाई करने का सपना सिर्फ एक सपना बनकर रह गया। भारतीय खिलाड़ी IPL के ठीक बाद वर्ल्ड कप में खेले। माना जा रहा था कि इस वजह से भारत की तैयारी बेहतरीन होगी, लेकिन एक बार फिर साबित हो गया कि ढ्ढक्र का अनुभव वर्ल्ड कप में बहुत ज्यादा काम नहीं आता है। टीम इंडिया वर्ल्ड कप से पहले पिछले एक साल में सिर्फ 12 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेल कर आई थी। इनमें से भी 3 मैच श्रीलंका के खिलाफ उस सीरीज में खेले गए जिनमें विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सितारे नदारद थे। इसके उलट पाकिस्तान ने इस दौरान 26 मैच खेले। वहीं, साउथ अफ्रीका ने 24, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने 21-21 तो इंग्लैंड ने भी 17 मैच खेले थे। आईपीएल-2021 का आखिरी राउंड यानी प्लेऑफ मुकाबलों की शुरुआत 10 अक्टूबर से हुई। टी-20 वर्ल्ड कप से महज एक सप्ताह पहले। इस राउंड में भारत की वर्ल्ड कप टीम के 6 अहम खिलाड़ी खेले।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के आरोन वान-बिसाका, मैनचेस्टर सिटी के फिल फोडेन द्वारा मैनचेस्टर, इंग्लैंड के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में मैनचेस्टर यूनाइटेड और मैनचेस्टर सिटी के बीच इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल मैच के दौरान।

कपिल देव का बड़ा बयान, खिलाड़ियों को आईपीएल के बजाय राष्ट्र को प्राथमिकता देनी चाहिए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव का मानना है कि देश के क्रिकेटर राष्ट्रीय टीम से अधिक आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) को प्राथमिकता देते हैं तथा मौजूदा टी20 विश्व कप के दौरान की गई गलतियों से बचने के लिए बेहतर कार्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की है। भारत सुपर 12 में पहले दो मैच गंवाने के कारण टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया। न्यूजीलैंड ने रविवार को अफगानिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिससे भारत बाहर हो गया। कपिल ने कहा, 'जब खिलाड़ी देश के लिए खेलने से ज्यादा आईपीएल को प्राथमिकता देते हैं, तो हम क्या कह सकते हैं?

खिलाड़ियों को अपने देश के लिए खेलने पर गर्व होना चाहिए। मुझे उनकी वित्तीय स्थिति का पता नहीं है इसलिए मैं ज्यादा कुछ नहीं कह सकता।%आईपीएल का आयोजन टी20 विश्व कप से ठीक पहले किया गया था। कोविड-19 महामारी के कारण बीसीसीआई ने इतना व्यस्त कार्यक्रम तैयार किया। कपिल ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहले राष्ट्रीय टीम और फिर फ्रेंचाइजी होनी चाहिए। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि वहां (आईपीएल) क्रिकेट न खेलें, लेकिन बेहतर योजना तैयार करने की जिम्मेदारी अब बीसीसीआई पर है। उन्होंने कहा, 'इस टूर्नामेंट में हमने जो गलतियां की हैं, उन्हें नहीं दोहराना हमारे लिए सबसे बड़ी सीख होगी।%% कपिल ने इसके साथ ही कहा कि आईपीएल के दूसरे चरण और टी20 विश्व कप के बीच में अंतर होना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'यह भविष्य पर गौर करने का समय है। आपको तुरंत योजना तैयार करनी शुरू कर देनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि विश्व कप खत्म हो गया है तो भारतीय टीम का पूरा क्रिकेट भी खत्म हो गया है। जाओ और योजना तैयार करो। कपिल ने कहा, 'मेरा मानना है कि आईपीएल और विश्व कप के बीच कुछ समय का अंतर होना चाहिए था। आज हमारे खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके मिल रहे हैं लेकिन वे उसका फायदा नहीं उठा पाए। यह 2012 के बाद पहला अवसर है जबकि भारत किसी आईसीसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया और कपिल ने कहा कि प्रत्येक को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कपिल ने कहा, 'उन्होंने (शीर्ष खिलाड़ियों) अपने करियर में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन अगर आप अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो आपको आलोचना का सामना करना पड़ेगा ... रवि शास्त्री, विराट कोहली का रिकार्ड अच्छा है, लेकिन अगर आप आईसीसी प्रतियोगिता नहीं जीत पाते हैं तो इससे उन्हें और पीड़ा होगी।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

न्यूज ब्रीफ

सतत कृषि पर सीओपी के कार्य एजेंडे पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत ने ग्लासगो में सीओपी26 जलवायु शिखर सम्मेलन के पहले सप्ताह के समापन पर एक सतत कृषि कार्य एजेंडा पर हस्ताक्षर किया। इस एजेंडा में कृषि को अधिक स्थाई और कम प्रदूषणकारी बनाने के लिए नई प्रतिबद्धताओं को निर्धारित किया है। इसके साथ ही भारत इस पर हस्ताक्षर करने वाले 27 देशों में शामिल हो गया है। सस्टेनेबल एग्रीकल्चर पॉलिसी एक्शन एजेंडा फॉर द ट्रांजिशन टू सस्टेनेबल एग्रीकल्चर ऐंड ग्लोबल एक्शन एजेंडा फॉर इनोवेशन इन एग्रीकल्चर शनिवार को जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के 26वें कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी26) में भाग लेने वाले देशों द्वारा किए जाने वाले प्रमुख कार्य संकल्पों में से एक है। देशों ने कृषि को अधिक स्थाई और कम प्रदूषणकारी बनने के लिए अपनी कृषि नीतियों को बदलने और सतत कृषि तथा जलवायु परिवर्तन से खाद्य आपूर्ति की रक्षा के लिए आवश्यक विज्ञान (प्रोद्यौगिकी) में निवेश करने के लिए नई प्रतिबद्धताएं निर्धारित कीं। भारतीय मूल के ब्रिटेन के मंत्री आलोक शर्मा ने कहा, %अगर हमें ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित करना है और 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बनाए रखना है, तो दुनिया को भूमि का सतत उपयोग करने और प्रकृति के संरक्षण पर सबसे अधिक ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आज की जा रही प्रतिबद्धताओं से पता चलता है कि पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रकृति के संरक्षण और भूमि के सतत उपयोग को आवश्यक माना जा रहा है और यह जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के नुकसान के दोहरे संकटों को दूर करने में योगदान देगा।

निवेशकों के लिए खतरा

सीडीएसएल वेंचर्स के 4 करोड़ निवेशकों के अकाउंट में सेंध, 10 दिन में दो बार हुई कोशिश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड (ष्टड्ढरु) के 4 करोड़ अकाउंट में सेंध लगाने की कोशिश की गई है। सेंध लगाने की कोशिश 10 दिन में दो बार की गई।

19 अक्टूबर को दी गई सूचना

साइबरएक्स9 के अनुसार, 19 अक्टूबर को उसने इस संबंध में सीडीएसएल को सूचना दी थी। हालांकि, सूचना के करीबन सात दिनों बाद सीडीएसएल इसे ठीक कर पाई। साइबरएक्स9 के प्रबंध निदेशक (एमडी) हिमांशु पाठक ने बताया कि यह जानकारी जारी करने से पहले हमने गड़बड़ी की पुष्टि की और तब तक सब ठीक कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि हमारी रिसर्च टीम 29 अक्टूबर फिर से काम पर लग गई। इस दौरान कुछ ही मिनटों में पता चला कि उस सुरक्षित सिस्टम में आसानी से सेंध लगाई जा सकती है, जिसे सीडीएसएल ने पहली गड़बड़ी को ठीक करने के लिए अपनाया था। साइबरएक्स9 ने अपने ब्लॉग में बताया कि जिस डेटा में सेंध लगाई गई, उसमें निवेशकों के नाम, फोन नंबर, ईमेल पता, पैन नंबर और पिता का नाम तथा जन्म तिथि शामिल है।

मामले में तुरंत कार्रवाई की गई

सीडीएसएल ने कहा कि उसने इस मामले में तुरंत कार्रवाई की है और अब गड़बड़ी को ठीक कर दिया गया है। सीडीएसएल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की कंपनी है जो शेयर बाजार में लिस्ट है। यह डिपॉजिटरी का काम करती है। यह शेयर बाजार के निवेशकों के डेटा का रखरखाव का काम करती है। ष्टड्ढरुकेवाईसी रजिस्ट्रेशन एजेंसी है। यह भी सेबी के पास रजिस्टर्ड है। सीडीएसएल ने कहा कि कोई सुरक्षा समस्या नहीं है। सीवीएल को उसकी वेबसाइट पर एक चेतावनी मिली थी जिसे बाद में ठीक कर दिया गया है। सीडीएसएल ने कहा कि इसमें किसी तरह के डेटा की चोरी नहीं हुई है। हालांकि साइबरएक्स9 ने कहा कि हमें संदेह है कि कुछ डेटा तो पहले ही चुरा लिए गए होंगे। इसलिए सरकार को सीडीएसएल का सिक्योरिटी ऑडिट करना चाहिए। चंडीगढ़ के इस साइबर सिक्योरिटी स्टार्टअप ने कहा कि इस तरह के हैकर्स खुद को बिजनसे कंपनी बताकर डेटा चोरी करते हैं। ये लोग ज्यादातर ब्रोकर्स और बिजनेस को प्रभावित करते हैं।

रुपया और बॉन्ड में स्थिरता के आसार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा बॉन्ड खरीद में 15 अरब डॉलर मासिक कटौती से भारतीय बॉन्ड एवं मुद्रा बाजार पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि भारत सहित वैश्विक बाजार हर महीने 20 अरब डॉलर की कटौती के लिए तैयार था। फिलिप कैपिटल के सलाहकार (निर्धारित आय) जयदीप सेन ने कहा, बॉन्ड खरीद में कटौती का अधिकर प्रभाव दिख चुका है और अब उसका केवल मामूली प्रभाव दिखेगा। इस समय कोई झुंझलाहट नहीं है बल्कि सबकुछ सामान्य तौर पर चल रहा है।% उन्होंने कहा, वास्तव में इसके घटित

होने पर हो सकता है कि कुछ मामूली वृद्धिशील प्रभाव दिखे लेकिन एक गतिशील बाजार में ऐसे तमाम कारक होते हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने कहा कि वह इस महीने के आखिर में बॉन्ड खरीद में कटौती शुरू करेगा। वह खजाने में 10 अरब डॉलर कम की खरीदारी करेगा और गिरवी वाली प्रतिभूतियों में 5 अरब डॉलर कम खरीदारी की जाएगी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने यह भी कहा है कि मुद्रास्फीतिक दबाव अगले साल तक बरकरार रहेगा। बुधवार को 10 साल वाले बॉन्ड प्रतिफल 6.34 फीसदी पर बंद हुआ था। गुरुवार और शुक्रवार को बाजार बंद रहा। बॉन्ड डीलरों का मानना है कि यदि आरबीआई सख्त रुख न अपनाए तो बॉन्ड प्रतिफल मार्च तक 6.50 फीसदी तक पहुंच सकता है। बाजार नकदी निकासी को धीरे-धीरे समायोजित कर रहा है और उम्मीद कर रहा है कि अगले वित्त वर्ष की दूसरी छमाही से रीपो दर में तेजी शुरू हो जाएगी। रीवर्स रीपो में तेजी उससे कहीं अधिक पहले यानी संभवत- फरवरी में मौद्रिक नीति की समीक्षा में दिख सकती है। हालांकि अमेरिकी फेडरल का कटौती कार्यक्रम 2022 के मध्य तक पूरा हो जाएगा। इससे अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में सख्ती दिखेगी और ऐसे में स्थानीय बाजारों में बॉन्ड प्रतिफल में तेजी आएगी। लेकिन बॉन्ड डीलरों का कहना है कि उसमें अभी वक्त लगेगा और कोरोनावायरस संबंधी अनिश्चितता अभी खत्म नहीं हुई है जिससे सुधार की रफ्तार सुस्त पड़ सकती है। फेडरल रिजर्व का कदम रुपये को कहीं अधिक प्रभावित कर सकता है क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की हरेक प्रतिक्रिया के साथ अमेरिकी डॉलर सूचकांक में तेजी आती है।

संभावित बदलाव झेलने में अब सक्षम है भारत

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि अब भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति ढीली किए जाने को लेकर संवेदनशील नहीं है, भले ही तेल और सोना देश के भुगतान के संतुलन को नीचे ला रहे हैं। खबरों के मुताबिक इस सप्ताह फेडरल रिजर्व बॉन्डों व प्रतिभूतियों की अपनी मासिक खरीद की वापसी की घोषणा कर सकता है, जिसे उसने पिछले साल मार्च में शुरू की थी। महामारी बढ़ने के कारण आर्थिक संकट से बचने के लिए सरकार ने ऐसा किया था। अधिकारियों इस तरह के बदलाव से किसी भी नुकसान की संभावना को खारिज किया है। उनका कहना है कि आज की स्थिति 2012-13 जैसी नहीं है, जब देश का चालू खाते का घाटा बहुत ज्यादा था।

APPOINTMENTS
ITDC NEWS
Reputed business Hindi daily of Madhya Pradesh is required
POSTINGS AT BHOPAL MP
SALES AD TEAM LEADER
5 years experience in print media
EXECUTIVE SPACE SALES
Degree in any discipline, prefer BBA
News Reporter
Degree in any discipline, Prefer BJ
Send resume hr.itdcnews@gmail.com, and whatsapp on 9826073332 in 3 days

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com
मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,
विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।
मेरे लोग, मेरा विधान
इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।
आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।
आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

परोपकार भी, रोजगार भी
प्रति माह 50 हज़ार या अधिक भी अर्जन कर सकते हैं.
बिना किसी पूंजी, बिना तकनीकी योग्यता
बेरोजगार
एवं बेहतर जॉब या कार्य संतुष्टि चाहने वाले भाई बहन आगामी
अर्थसम्मेलन21
20 नवंबर 2021, 3.00PM
(वर्चुअल ज़ूम पर, सीमित स्थान) में भाग लें.
अपनी सीट बुकिंग गूगल आवेदन फॉर्म लिंक हेतु
YES, I AM WILLING.
(name, state, mob. no.)
निम्न मोबाइल व्हाट्सएप्प न. पर लिखें.
+91 9826 22 00 22
green DONOR हरित वीर वाहिनी www.greendonor.in
माँ प्रकृति सँवार, संवर्धन, संरक्षण, के लिए समर्पित.

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।